तापमान
अधिकतम 26 .0 डिग्री
न्यूनतम 14 .0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार 22 मार्च 2026

10 स्टेट हाईवे की चौड़ाई बढ़ाने का काम प्रारंभ

10 विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मोहा मन

खबर संक्षेप

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जींद। पिल्लूखेड़ा मंडी के निकट तेजरफ्तार पिकअप गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर फरार गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिल्लूखेड़ा निवासी योगेश (19) बाइक पर सवार होकर सफीदों रोड की तरफ से लिंक रोड पर पिल्लूखेड़ा मंडी की तरफ जा रहा था। कुछ दूरी पर चलते ही सामने से आ रही तेजरफ्तार पिकअप गाड़ी ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

बांके बिहारी होली महोत्सव आज

नरवाना। समस्त श्याम प्रेमी नरवाना द्वारा आज रविवार को हुडा ग्राउंड नरवाना में श्री बांके बिहारी होली महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। श्याम प्रेमी कमल गर्ग ने बताया कि महोत्सव में वृंदावन से श्री बांके बिहारी का स्वरूप विशेष रूप से लाया जा रहा है। जिनके दर्शन करने से सभी भक्त मंत्र मुक्त हो जाएंगे। बहुत ही भव्य व सुंदर दरबार सजाया जाएगा। श्याम प्रेमी सौरभ ने बताया कि महोत्सव में भजन गायक बॉलीवुड सिंगर हेमंत बृजवासी मथुरा वाले तथा भजन गायिका शिल्पा कौशिक मुरादाबाद वाली सुंदर-सुंदर भजनों से भक्तों को झूमने पर मजबूर कर देगी।

लोन फर्म को लगाया 2.99 लाख का चूना

जींद। गोल्ड लोन दूसरी फर्म में ट्रांसफर करवाने का झांसा देकर दो लाख 99 हजार रुपये हडपने पर शहर थाना सफीदों पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। फेड बैंक फाइनेंशियल सर्विसिज लिमिटेड सफीदों शाखा के प्रबंधक प्रवीन कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी फर्म रिर्जव बैंक से अधिकृत है। सार्वजनिक क्षेत्र में वित्तिय गतिविधियां करती है। गत दस अक्टूबर को गांव शिल्लाखेड़ी निवासी विनोद उनके पास आया। जिसने बताया कि उसने दूसरी फर्म से गोल्ड लोन लिया हुआ है।

सोलर सिस्टम की 50 हजार की सब्सिडी हड़पी

जींद। घरेलू सोलर सिस्टम पर मिलने वाली 50 हजार रुपये की सरकारी सब्सिडी हड़पने का मामला सामने आया है। उचाना थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर कपनी प्रोपराइटर तथा उसके कर्मी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। गांव कुचराना कलां निवासी शमशेर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शत-प्रतिशत दिव्यांग और बीपीएल परिवार से है।

मारपीट के आरोप में दो महिलाओं संग 4 नामजद

कैथल। थाना चीका पुलिस ने एक महिला से छेड़छाड़ करने और मारपीट करने के आरोप में दो महिलाओं सहित चार व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव भागल की एक महिला ने चीका पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 17 मार्च को दोपहर के करीब 11:00 बजे जब वह खेत जा रही थी तो गांव के ही दलेल, उसकी पत्नी सुमन, प्रिंस और प्रिंस की मां ने मिलकर उसका रास्ता रोकते हुए उसके साथ छेड़छाड़ की। उसके द्वारा विरोध किए जाने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की।

जनता आवश्यकता अनुसार ले सिलेंडर

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है। आमजन गैस की कमी से जुड़ी अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी प्रकार की पैनिक स्थिति न बनाएं। बताया कि जिला खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अनुसार जिले में गैस आपूर्ति और वितरण की स्थिति पूरी तरह सामान्य है। सभी 20 गैस एजेंसियों पर पर्याप्त मात्रा में सिलेंडर उपलब्ध हैं। आंकड़ों के मुताबिक आज सुबह जिले में 4,769 सिलेंडर स्टॉक में मौजूद थे।

दो दिन छुट्टी होने पर नहीं आएगी मरीजों को दिक्कत

मेडिकल कॉलेज में लगेगी ओपीडी और नागरिक अस्पताल में इमरजेंसी

शहीदी दिवस की छुट्टी होने के चलते उठाया कदम

नागरिक अस्पताल के चिकित्सक ही कॉलेज में ओपीडी करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

दो दिन रविवार और सोमवार को छुट्टी रहने के चलते स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को हैबतपुर गांव स्थित संत शिरोमणि धन्ना भगत मेडिकल कालेज में ओपीडी करने का निर्णय लिया है। इसके लिए चिकित्सकों की ड्यूटी भी लगा दी गई हैं। सोमवार को शहीदी दिवस पर नागरिक अस्पताल की छुट्टी रहेगी। यहां केवल इमरजेंसी सेवाएं ही चलेंगे। ऐसे में मरीजों को परेशानी नहीं हो, इसके लिए मेडिकल कालेज में ओपीडी चालू रहेगी। शनिवार को ईद की छुट्टी रही। वहीं सोमवार को शहीदी दिवस पर छुट्टी होने के कारण दो दिन नागरिक अस्पताल बंद रहेगा। दो दिन छुट्टी के कारण मरीजों को ज्यादा परेशानी नहीं हो, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने मेडिकल कालेज में ओपीडी की व्यवस्था की है। नागरिक अस्पताल में इमरजेंसी सेवाएं तो 24 घंटे चलते हैं। इसलिए सोमवार को यहां छुट्टी होने के कारण इमरजेंसी में ही ज्यादा मरीज नहीं आए, उनको मेडिकल कालेज में ओपीडी की सुविधा दी जाएगी। ऐसे में मरीजों को भी परेशानी नहीं होगी। वैसे तो मेडिकल कालेज में ओपीडी चलती रहती हैं लेकिन तीन दिन की छुट्टी के कारण मरीजों को परेशानी आ सकती है। इसी परेशानी से मरीजों को बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने यह कदम उठाया है। नागरिक अस्पताल के चिकित्सक ही मेडिकल कालेज में ओपीडी करेंगे। इसके लिए चिकित्सकों की ड्यूटियां लगा दी गई हैं। वैसे भी नागरिक अस्पताल के चिकित्सक की सप्ताह में दो दिन मेडिकल कालेज में ओपीडी करने जाते हैं। अब सोमवार को सरकारी छुट्टी होने के कारण इन चिकित्सकों की ड्यूटी मेडिकल कालेज में लगाई गई है। कोई भी मरीज मेडिकल कालेज में आकर अपना इलाज करवा सकता है।

जींद। हैबतपुर गांव स्थित संत शिरोमणि धन्ना भगत मेडिकल कालेज। फोटो :हरिभूमि

सभी व्यवस्थाएं कर दी गई

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने बताया कि ागरिक अस्पताल के चिकित्सक भी मेडिकल कालेज में ओपीडी करेंगे। इसके लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाएं कर दी गई हैं। तीन दिन अस्पताल बंद रहने से मरीजों को काफी परेशानी होती है। इस परेशानी से मरीजों को बचाने के लिए मेडिकल कालेज में सोमवार को ओपीडी खोली जाएगी।

जुवेनाइल निकला चाची की हत्या का आरोपित, सुधार गृह करनाल भेजा

- दोस्त ने उपलब्ध करवाया था आरोपित को तेजधार हथियार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव रायचंदवाला में चाची की तेजधार हथियार से गोद कर करने की योजना चार दिन पहले बनी थी। वारदात को अंजाम जुवेनाइल भतीजे ने दिया। जबकि तेजधार हथियार परिवार के एक युवक ने उपलब्ध करवाया था। अलेवा थाना पुलिस ने जुवेनाइल को हिरासत में ले दूसरे आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। काबिलेगौर है कि रायचंदवाला निवासी अशोक की पत्नी रेशमा (35) की गत 18 मार्च रात उसके जुवेनाइल भतीजे ने तेजधार हथियार से गोद कर हत्या कर दी थी। अशोक की लगभग एक साल पहले संदिग्ध हालात मौत हो चुकी थी अलेवा थाना पुलिस ने मृतका की सास लिछमी की शिकायत पर आरोपित भतीजे के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था। पुलिस ने मुख्य आरोपित के अलावा षडयंत्र में शामिल एक और आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। चाचा की मौत के बाद आरोपित जुवेनाइल चाची रेशमा के साथ रहता था। मारपीट करने के चलते वह अपनी दादी के पास रहने लगा। कुछ दिन पहले रेशमा ने फिर से आरोपित से मारपीट की तो उसने अपने दोस्त परिवार के ही अंकुश के साथ रेशमा को मारने की योजना बनाई। अंकुश ने आरोपित जुवेनाइल को तेजधार हथियार उपलब्ध करवाया और 18 मार्च रात को वारदात को अंजाम दे दिया।

आरोपित गिरफ्तार

अलेवा थाना प्रभारी रामकुमार ने बताया कि मुख्य हत्यारोपित जुवेनाइल पाया गया है। हत्या के षडयंत्र में शामिल आरोपित को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। जुवेनाइल को बाल सुधार गृह करनाल भेज दिया है। दूसरे आरोपित को रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

रेशमा का परिवार से था छत्तीस का आंकड़ा

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि रेशमा ने लगभग 13 साल पहले अशोक से लव मैरिज की थी। आरोपित जुवेनाइल अपने चाचा के पास रहता था। मृतका का अफेयर किसी व्यक्ति से चला हुआ था। जिसके बारे में जुनायल ने अपने चाचा को बताने के साथ रिकॉर्डिंग भी सुना दी। जिससे खफा होकर अशोक ने आत्महत्या कर ली थी। जिसके बाद से रेशमा का अपने परिवार से छत्तीस का आकड़ा हो गया था।

सोनीपत रूट पर प्रस्तावित ट्रेन का संचालन प्रभावित

जींद। सोनीपत रूट पर प्रस्तावित हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन एक बार फिर प्रभावित हो गया है। प्लांट में समय पर हाइड्रोजन गैस तैयार नहीं हो पाने के कारण ट्रेन को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रवाना नहीं किया जा सका। पिछले चार दिनों से लगातार चल रहे ट्रेन के परफॉर्मेंस ट्रायल के बीच यह बाधा सामने आई है जिससे पूरे ट्रायल शेड्यूल पर असर पड़ा है। हाइड्रोजन प्लांट में तकनीकी कारणों के चलते गैस का उत्पादन सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा है। ऐसे में बाहर से हाइड्रोजन गैस ट्रेन में भरने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। इस प्रक्रिया में अपेक्षा से अधिक समय लग रहा हैए जिसके कारण ट्रेन को समय पर ट्रैक पर नहीं उतारा जा सका। रेलवे अधिकारियों के अनुसार हाइड्रोजन ट्रेन एक नई तकनीक पर आधारित है। इसलिए शुरुआती चरण में इस तरह की तकनीकी चुनौतियां आना स्वाभाविक है। टीम लगातार प्लांट की खामियों को दूर करने और गैस उत्पादन को स्थिर बनाने में जुटी हुई है ताकि ट्रायल बिना किसी बाधा के पूरा किया जा सके। गौरतलब है कि पिछले चार दिनों से ट्रेन का परफॉर्मेंस ट्रायल जारी है, जिसमें इसकी गति, सुरक्षा और तकनीकी कार्यक्षमता की बारीकी से जांच की जा रही है।

- प्लांट में समय पर हाइड्रोजन गैस तैयार नही होने के चलते नही हुई रवाना

7000 घर-दुकानों पर नपा लगाएगी आरएफआईडी टैग

उचाना। नपा की ओर से नपा एरिया में सात हजार घरों और दुकानों पर आरएफआईडी टैग ;रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशनद्ध लगाए जाएंगे। इस मे तकनीक के माध्यम से अब हर घर से नियमित रूप से कचरा उठाया जाएगा और किसी भी तरह की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी। शुक्रवार को नपा की ओर से गठित सर्वे टीम ने शहर की गलियों में घर-घर जाकर आरएफआईडी टैग लगाने का कार्य शुरू किया। टीम मकान मालिकों और दुकानदारों से उनका नामए नंबर और फोटो लेकर आरएफआईडी टैग को लोकेशन से ऑनलाइन जोड़ रही है। इससे पता लगाया जा सकेगा कि किस घर से कचरा लिया गया।

बदहाल सड़क मार्ग से लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

गांव रोहेड़ा में कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सुनील कुंडू ने कहा कि रणदीप सिंह सुरजेवाला ही क्षेत्र का समुचित विकास और तरक्की करवा सकते हैं। उन्होंने वर्तमान हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि गैस की कालाबाजारी से आम जनता बेहद परेशान है, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने राजौंद के मुख्य मार्ग की जर्जर स्थिति पर भी सरकार और प्रशासन को घेरते हुए कहा कि पिछले कई वर्षों से यह सड़क खस्ता हाल में है, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। इस कारण वाहन चालकों के साथ-साथ आसपास के गांवों के लोगों को भी रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। सुनील कुंडू ने कहा कि गेहूं का सीजन 1 अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। ऐसे में सबसे बड़ी समस्या यह है कि गेहूं से भरी ट्रॉलियां इस खराब सड़क से कैसे गुजरेंगी। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क कंप्लीट करवाने की मांग की, ताकि किसानों और आम लोगों को राहत मिल सके।

पूंडरी। विधायक सतपाल जांबा खरीद एजेंसी अधिकारियों से बातचीत करते।

समय रहते तैयारियां पूरी करने के निर्देश

पूंडरी। गेहूं (रबी) सीजन को देखते आज मार्केट कमेटी, पुंडरी में एक महत्वपूर्ण बैठक की , जिसमें पुंडरी के विधायक सतपाल जाम्बा ने संबंधित अधिकारियों के साथ किसानों की फसल के सुचारू प्रबंधन, भंडारण व्यवस्था, मंडी में पर्याप्त स्थान तथा बारदाना उपलब्धता को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना रहा कि गेहूं खरीद के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक के दौरान मंडी परिसर में व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि समय रहते सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं, ताकि फसल खरीद के समय मंडी में पर्याप्त स्पेस, साफ-सफाई, भंडारण और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रहें। विधायक ने कहा कि किसानों की मेहनत का सम्मान करना और उनकी फसल की खरीद विधायक सतपाल जाम्बा ने कहा कि "किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी।

संदिग्ध हालात में दुग्ध बूथ-गोदाम में लगी आग

जींद। गांव अमरहेड़ी के निकट बाईपास ओवरब्रिज के नीचे बीती रात दुग्ध बूथ तथा उसके साथ बने गोदाम में आग लग गई। जिसमे पांच फ्रिज, देशी घी समेत अन्य सामान जल गया। फायर बिग्रेड ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। सदर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव अहिरका निवासी सोनू ने गांव अमरहेड़ी बाईपास ओवरब्रिज के निकट वीटा का बूथ खोला हुआ है। जिसके साथ गोदाम भी बनाया गया है। बीती रात बूथ तथा गोदाम में संदिग्ध हालात में आग लग गई। जिसमें चार बड़े फ्रिज, चाकलेट फ्रिज, आधा दर्जन घी की पेटी, पीपियां, बिस्कूट समेत अन्य सामान तथा गोदाम में रखी काफी संख्या में ठंडों की पेटियां समेत अन्य सामान जल गया।

धुंध ने रोकी वाहनों की रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पिछले तीन दिनों से कभी बूंदाबांदी तो कभी बारिश के बाद शनिवार को सुबह घनी धुंध ने जिले को अपनी चपेट में ले लिया। सड़कों पर विजिबिलिटी इतनी कम हो गई कि वाहन चालक एक-दूसरे से मात्र कुछ मीटर की दूरी पर भी दिखाई नहीं दे रहे थे। अल सुबह वालन चालक हेडलाइट जला कर सड़कों पर रेंगते हुए नजर आए। छोटे-बड़े वाहनों की रफ्तार घटकर 20-30 किलोमीटर प्रति घंटा रह गई। आठ बजे सूर्य देवता ने दर्शन देने शुरू किए तो धुंध छंटी और वाहन चालकों को और आमजन को राहत मिली। शनिवार को अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा की गति 13 किलोमीटर प्रति घंटा रही जबकि आद्रता 43 प्रतिशत बनी रही। गौरतलब है कि पिछले तीन दिनों से मौसम के तेवरो ने किसानों को परेशान कर दिया था। हर रोज बूंदाबांदी तथा हलकी बारिश हो रही थी। जिसके चलते सरसों की काटाई का कार्य बाधित हुआ साथ ही मौसम गेहूं तथा चना फसल के लिए खतरा बना हुआ था। किसानों को भय सता रहा था कि अगर ज्यादा बारिश होती है और हवा तेज चलती है तो फसलें पसर जाएंगी। ऐसे मौसम में ओलावृष्टि की संभावना भी बनी रहती है। गनीमत यह रही कि शनिवार को धुंध के बाद मौसम साफ हो गया।

खबर संक्षेप

शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित करने की मांग

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि इंडिपेंडेंट यूथ फ्रंट द्वारा विवि प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। छात्र नेता अमित आदिवाल के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने कुलपति के नाम उनके ओएसडी को यह मांग पत्र दिया। जिसमें विश्वविद्यालय परिसर के मुख्य पार्क में शहीद ए आजम भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित करने की पुरजोर मांग की गई है। संगठन के इकाई अध्यक्ष निर्मल सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की दोनों मुख्य इमारतों के बीच स्थित पार्क में प्रतिमा लगने से छात्रों में राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी।

राज्य स्तरीय सभा की तैयारी को लेकर बैठक

नरवाना। मनरेगा मजदूर यूनियन एवं निर्माण कार्य मजदूर मिस्त्री यूनियन की तरफ से 23 मार्च शहीदी दिवस के लिए कुरुक्षेत्र के शहीद मदन लाल ढींगरा मैदान में होने वाली राज्य स्तरीय सभा की तैयारी में सभाएं की गई। गांव दबलैन, सुदकैन कलां काब्रच्छा में निर्माण कार्य मजदूर मिस्त्री यूनियन के जिला कन्वीनर पाल सिंह एवं मनरेगा मजदूर यूनियन के जिला कन्वीनर सतबीर ने सभाओं को संबोधित किया। मनरेगा में काम न दिए जाने एवं श्रम कल्याण बोर्ड का पोर्टल न खोले जाने पर चिंता व्यक्त की गई।

एबीवीपी ने की नवनियुक्त रजिस्ट्रार से मुलाकात

जींद। सीआरएसयू की नवनियुक्त रजिस्ट्रार प्रो सीमा गुप्ता से विवि की एबीवीपी इकाई ने मुलाकात की और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी। इकाई अध्यक्ष सतविंद्र ढिल्लो ने बताया कि एबीवीपी के प्रतिनिधियों ने प्रोफेसर सीमा का स्वागत करते विश्वास जताया कि उनके प्रशासनिक अनुभव और कुशल नेतृत्व से विवि की व्यवस्थाओं में और अधिक सुधार होगा तथा विद्यार्थियों से जुड़े कार्यों में तेजी आएगी। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रोहन सैनी ने बताया कि दौरान एबीवीपी जींद इकाई ने विद्यार्थियों से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की।

सुभाष ढिगाना ने दिल्ली में किया रक्तदान

जींद। राष्ट्रपति अवार्ड विजेता सुभाष ढिगाना ने जींद से 160 किलोमीटर की दूरी बस से तय कर दिल्ली स्थित सर गंगाराम अस्पताल दिल्ली में पहुंच कर एक मरीज के किडनी आपरेशन के लिए स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की है। उल्लेखनीय है कि नंदीशाला प्रबन्धन समिति जींद के सचिव व राजकीय आईटीआई जुलाना में सहायक के पद पर कार्यरत गौभक्त नंबरदार जयभगवान पिंडारा को गंगाराम अस्पताल में उनके किडनी आपरेशन के दौरान रक्त की आवश्यकता होने पर समाजसेवी सुभाष ढिगाना को सूचना दी गई।

हकृवि में कृषि मेला 23 व 24 मार्च को

जींद। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 23 तथा 24 मार्च को दो दिवसीय कृषि मेला खरीफ का आयोजित हो रहा है। जिसमें हरियाणा तथा अन्य प्रदेशों से भारी संख्या में किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, कृषि उद्यमियों, विभिन्न विभागों और संस्थाओं की भागीदारी रहेगी। मेले में किसानों को खरीफ फसलों की उन्नत तकनीकों से संबंधित जानकारी दी जाएगी। विवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि कृषि मेले का मुख्य उद्देश्य किसानों को खरीफ फसलों की नवीनतम किस्मों, उन्नत कृषि तकनीकों, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण तथा कृषि यंत्रीकरण से संबंधित जानकारी मुहैया कराना है।

दस वर्ष पुराने आधार कार्ड को अपडेट करवाना जरूरी

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण यूआईडीएआई ने आधार कार्ड को फ्री में अपडेट करने की तारीख को बढ़ाकर 14 जून कर दिया है। उन्होंने बताया कि आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए नागरिकों को अपना डेमोग्राफिक डाटा, पता, डेट ऑफ बर्थ, मोबाइल नंबर आदि की जरूरत पड़ेगी। आधार अपडेट के लिए नाम, जन्मतिथि, रिहायशी प्रमाण पत्र या अन्य निर्धारित पहचान पत्र ऑनलाइन अपलोड करना होगा।

टूटे सड़क मार्ग के कारण हो चुके कई बड़े हादसे

स्टेट हाईवे की चौड़ाई बढ़ाने का काम प्रारंभ

आगामी माह से सुचारू रूप से चलेगा कार्य

सड़क पर खड़े पेड़ बन रहे थे बाधा,जल्द मिलेगी वन विभाग से एनओसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। कार्य को लेकर लगाया गया बोर्ड। फोटो :हरिभूमि

तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने पांच साल पहले जींद-सफीदों स्टेट हाईवे के चौड़ाकरण की घोषणा की थी लेकिन यह कार्य लटका हुआ था। पहले तो इस सड़क मार्ग पर खड़े पेड़ को दूसरी जगह शिफ्ट करने की जगह नही मिल रही थी। अब कई वर्षों के प्रयास के बाद इन पेड़ों को काटा जाएगा। इनकी संख्या के अनुसार दूसरी जगह पेड़ लगाए जाएंगे। अगले सप्ताह इन पेड़ों को काटने के लिए एनओसी मिल जाएगी। उस समय तक जहां जगह है, वहां पर सड़क को चौड़ा करने का काम शुरू हो गया है। इससे वाहन चालकों को काफी राहत मिलेगी। पिछले पांच साल से यह सड़क मार्ग बहुत खस्ता हो चुका था और हादसों का कारण बन रहा था।

चौड़ाई बढ़ाई जाएगी

पीडब्ल्यूडी विभाग सफीदों के एसडीओ अजय ने बताया कि लोग सड़क की चौड़ाई बढ़ाने का काफी लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। जहां पर बिना पेड़ काटे चौड़ाई बढ़ाई जा सकती है, वहां पर काम शुरू कर दिया है। अगले सप्ताह वन विभाग से एनओसी मिल जाएगी। इसके बाद मार्ग की चौड़ाई बढ़ाने का काम सुचारू रूप से शुरू हो जाएगी।

जींद-सफीदों स्टेट हाइवे जिले में सबसे खतरनाक सड़कों में सबसे ऊपर है। जगह-जगह से टूटे हुए हैं। यहां कई बड़े हादसे भी हो चुके हैं। लगभग पांच साल पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने सफीदों रैली के दौरान जींद से सफीदों के बीच सड़क की चौड़ाई सात मीटर से बढ़ाकर 10 मीटर करने और सफीदों से पानीपत के बीच स्टेट हाईवे को फोरलेन बनाने की लगभग 180 करोड़ रुपये की परियोजना की घोषणा की थी। सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के लिए जींद-सफीदों के बीच ही लगभग 6500 पेड़ों की कटाई होनी है। इन पेड़ों की कटाई के लिए वन विभाग से एनओसी के इंतजार में परियोजना लगातार लटकी रही। अब इसके लिए अनुमति मिल गई है। वन विभाग से पेड़ काटने की एनओसी मिलने में हो रही देरी के बीच अब लोक निर्माण विभाग ने यह रास्ता निकाला है कि स्टेट हाईवे पर जहां पेड़ों की कटाई रोड की चौड़ाई बढ़ाने में नहीं होनी है, वहां सड़क के साथ मिट्टी की खुदाई शुरू करवा दी गई है। जब तक ऐसे पैच में मिट्टी की खुदाई का काम पूरा होगा। तब तक लोक निर्माण विभाग को वन विभाग से एनओसी मिल जाएगी और काम सुचारू रूप से शुरू हो जाएगा। जींद से सफीदों की दूरी लगभग 35 किलोमीटर की है। यह दूरी तय करने में एक घंटे से भी ज्यादा का समय लग जाता है। कारण यह है कि सड़क में गहरे गड्ढे जगह-जगह बने हुए हैं। इस हाइवे से हर रोज सफर करने वाले अपनी जान के साथ.साथ दूसरों की जान भी जोखिम में डालते हैं। जींद-सफीदों स्टेट हाईवे की चौड़ाई बढ़ाने की परियोजना पर लोक निर्माण विभाग द्वारा काम शुरू करने से लोगों ने काफी राहत की सांस ली है। पिल्लूखेड़ा के काफी लोगों को प्रतिदिन जींद आना होता है। उनका कहना है कि वह पांच साल से इस सड़क मार्ग के नवनिर्माण का इंतजार कर रहे है।

पीपली में कल होगी जन आक्रोश रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जुलाना कस्बे के वार्ड नंबर तीन में भारतीय किसान यूनियन की एक बैठक का आयोजन किया । जिसमें क्षेत्र के किसानों ने बढ़.चढ़कर भाग लिया। बैठक में किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से केंद्र सरकार द्वारा अमेरिका के साथ किए गए व्यापार समझौते को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की गई। अध्यक्षता करते जमीदारा स्टूडेंट ऑर्गेनाइजेशन के प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप सिहाग ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियां किसानों के हितों के खिलाफ जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ किए गए इस समझौते से भारतीय किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उनका कहना था कि इस डील के तहत अमेरिकी किसानों को भारत के बाजार में अपनी फसल बेचने का अवसर मिलेगा। जिससे स्थानीय किसानों की उपज की मांग प्रभावित होगी। प्रदीप सिहाग ने कहा कि यदि विदेशी फसलें सस्ती दरों पर भारतीय बाजार में उपलब्ध होंगी तो देश के किसानों की फसल बिकना मुश्किल हो जाएगा। इससे न केवल किसानों की आय पर असर पड़ेगा बल्कि उनकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर हो सकती है। 23 मार्च को पीपली में भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले एक विशाल जनआक्रोश रैली का आयोजन किया जाएगा। इस रैली में बड़ी संख्या में किसान भाग लेकर सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करेंगे। किसानों का कहना है कि जब तक सरकार इस समझौते को वापस नहीं लेती तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस अवसर पर जयदीप चहल, विजय नंबरदार, सत्यवान लाठर, राजेश, सुनील सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

उचाना। मंदिर परिसर में जागरण में पहुंचे श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

जागरण में जमकर झूमे श्रद्धालु

उचाना। लितानी रोड अंडरपास के पास बाबा जोतराम धाम में भंडारे एवं माता के जागरण का आयोजन किया। जयवीर चहल बड़ौदा की तरफ से इसका आयोजन किया। मंदिर कमेटी प्रधान सुरेश नैन ने बताया कि ये जागरण बड़ौदा गांव में होना था लेकिन बारिश के मौसम के चलते मंदिर प्रांगण में जागरण एवं भंडारा का आयोजन हुआ। पूरी रात माता शिव बजरंग बली जोतराम के गीत कलाकारों द्वारा प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। भगत विनोद पांचालए माए राजफूल कुचराना, मा रफीक उचाना विक्की छाछियां पूनम सैणी कलाकारों द्वारा भक्तिमय गीत प्रस्तुत किए। भगत विनोद ने बाबा जोतराम की महिमा निरालीए ढेरू पै ढेरू पै धूम मचावै ढेरू पै श्रद्धालु खूब झूमे। कहा कि हर माह की नौंवी पर मंदिर में जागरण एवं भंडारे का आयोजन होता है।

गांव घिमाणा में राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता आज

जींद। समाज को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने और युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जुलाना विधानसभा क्षेत्र के गांव घिमाणा के खेल स्टेडियम में 22 और 23 मार्च को श्शहीद सम्मान एवं नशा मुक्ति खेल महोत्सव के तहत राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और एक करोड़ 46 लाख रुपये की लागत से बनने वाली फिरनी (सड़क) का शिलान्यास भी करेंगे। शनिवार को घिमाणा सरपंच संदीप खोखर ने बताया कि इस नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में हरियाणा प्रदेश समेत कई राज्यों से संबंधित चुनिंदा टीमें हिस्सा लेंगी। जिसमें 52 किलो भार वर्ग के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता में विजेताओं के लिए आकर्षक नगद पुरस्कार भी रखे गए हैं।

नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी

जींद। डीएन मॉडल स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के सम्मान में भावपूर्ण एवं भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। विद्यालय की प्राचार्या मीनाक्षी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा जीवन में मेहनतए अनुशासन और नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में न्यू प्रगति स्कूल की प्राचार्या लाजवंती उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास, निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच बनाए रखने का संदेश दिया। विद्यालय के निदेशक वीरेंद्र ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें जीवन में आगे बढने और विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

जींद। परिचर्चा कार्यक्रम में भाग लेते कवि। फोटो :हरिभूमि

जनवादी लेखक संघ ने की परिचर्चा

जींद। विश्व कविता दिवस के मौके पर लार्ड शिवा माडल स्कूल में जनवादी लेखक संघ की ओर से एमडीयू रोहतक से सेवानिवृत्त डा. मनजीत राठी मानवी की पुस्तकों पर परिचर्चा आयोजित की गई। इसमें दिल्ली से आए डा. बजरंग बिहारी तिवारी ने मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत किया। आयोजन की अध्यक्षता अंबाला से आए राज्याध्यक्ष जयपाल ने की और शुरुआत जींद के जिला सचिव मंगतराम शास्त्री ने उपस्थित कवि, लेखक, साहित्यकारों, रचनाकारों का स्वागत करते हुए की। मंच का संचालन राज्य सचिव श्रद्धानंद राजली ने किया। मनजीत मानवी ने जब कविता दस्तक देती है, बूंद बूंद शब्द और आवाज परवाज नामक पुस्तकों में से चुनिंदा कविताएं पढ़ी। कविताओं पर बात रखते हुए बजरंग बिहारी ने कहा कि राजसत्ता की नियति को नकार कर ही सच्चा प्रगतिशील कवि हो सकता है।

समस्याओं के समाधान का आश्वासन

जुलाना। जुलाना के पूर्व प्रत्याशी कैप्टन योगेश बैरागी ने अपने कार्यालय पर लोगों की समस्याएं सुनीं। लोगों ने बिजली, पानी, सड़क, पेंशन और अन्य जनहित से जुड़ी समस्याएं उनके समक्ष रखीं। कैप्टन योगेश बैरागी ने सभी की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। कैप्टन योगेश बैरागी ने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ सबका विकास की नीति पर कार्य कर रही है। जिसके तहत समाज के हर वर्ग का समान रूप से विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है जिससे आमजन का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है। मनोनित पार्षद एडवोकेट सुरेंद्र खटकड़, यशवंत शर्मा, राममेहर कौशिक, राज, महेंद्र सरपंच, सोमबीर आदि मौजूद रहे।

लोगों की समस्याएं सुनते भाजपा के पूर्व प्रत्याशी कैप्टन योगेश बैरागी।

नरवाना। यज्ञ में आहूति डालते हुए। फोटो :हरिभूमि

शिव मंदिर का वार्षिकोत्सव

नरवाना। नरवाना के धरौदी रोड पर स्थित मां काली शिव मंदिर के वार्षिक उत्सव पर 17 मार्च से 23 मार्च तक भव्य धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। मंदिर के पुजारी रोशन लाल वेद पाठी ने बताया कि मां दुर्गा की असीम कृपा से यह सात दिवसीय त्रिकुंडी श्री दुर्गा चंडी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें नरवाना क्षेत्र के हजारों लोगों आ रहे है। 23 मार्च को पूर्ण आहुति के साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर भक्तों में भरपूर जोश है। मंदिर प्रांगण को पूरी तरह से फूलों और रंगीन लाइटों से सजाया जा रहा है। नवरात्रों के पावन पर्व पर इस तरह के आयोजन से भक्त जनों में अलग ही जोश है हर कोई इस यज्ञ में अपना योगदान दे रहा है। पंडित रोशन लाल वेद पाठी ने बताया कि विशाल भंडारा सुबह से शुरू होकर प्रभु इच्छा तक चलेगा।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

मुख्यातिथि के साथ मौजूद अच्छा परिणाम लाने वाले बच्चे। फोटो :हरिभूमि

मोतीलाल स्कूल में परिणाम वितरण समारोह

जींद। मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में कक्षा तीसरी से ग्यारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए परिणाम वितरण समारोह अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में एडीसी डा. प्रदीप ने उपस्थिति दर्ज कराई और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उल्लास और गर्व का वातावरण था जहां विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावक और शिक्षक भी इस विशेष दिन के साक्षी बने। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके पश्चात प्राचार्य ने अतिथियों का स्वागत करते विद्यार्थियों की वर्षभर की मेहनत और उपलब्धियों की सराहना की। बच्चों ने मधुर स्वर में प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। इसके बाद बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किएए जिनमें नृत्यए गीत और नाट्य मंचन शामिल थे।

जींद को सीएम देंगे करोड़ों की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

भाजपा जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल ने भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील करते कहा कि वो ज्यादा से ज्यादा संख्या में चार अप्रैल को सफीदों की अनाज मंडी में व पांच अप्रैल को एकलव्य स्टेडियम जींद में होने वाली रैली में ग्रामीणों के साथ पहुंचे व मुख्यमंत्री नायब सैनी का स्वागत करें। मुख्यमंत्री इन दिनों में जींद के व सफीदों के लोगों का धन्यवाद करेंगे व करोड़ों की सौगात देंगे। तायल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वो जनता के बीच जाएं व उनको सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं के बारे में विस्तार से समझाएं ताकि गरीब जनता इन सुविधाओं का लाभ ले सके। सरकार द्वारा करवाए गए विकाश कार्यों को बताएं। भाजपा की सरकार ने गरीबों के कल्याण के लिए महिला सशक्तिकरण के लिए, किसानों की भलाई के लिए, सरकारी कर्मचारियों के उत्थान के लिए, मजदूरों की भलाई के लिए अनेकों योजनाएं बनाई हैं व उनको धरातल पर लागू किया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी के दिल में टीस रहती है कि किस तरह गरीब का कल्याण हो व उनको ज्यादा से ज्यादा गरीबों के हित में चलाई गई योजनाओं का लाभ मिले। जींद रैली के संयोजक हरियाणा सरकार में डिप्टी स्पीकर मिड्ढा भी मुख्यमंत्री के पद चिन्हों पर चलते जींद के विकाश में रात दिन लगे रहते हैं। उनकी भी एक ही सोच है कि गरीब व्यक्ति भाजपा सरकार में रात को भूखा न सोए, उसके शरीर पर तन ढकने के लिए कपड़ा व रहने के लिए आशियाना जरूर हो, ज्यादा से ज्यादा गरीब व जरूरतमंद व योग्य व्यक्ति को रोजगार मिले। तायल ने कहा भाजपा का कार्यकर्ता कभी थकता नही है व उसके लिए सबसे पहले देश, उसके बाद पार्टी व अंत में वो व उसका परिवार है। तायल ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वो रैली में ज्यादा से ज्यादा लोगों को लेकर आएं व मुख्यमंत्री का स्वागत करें।

पैदल यात्रा को रवाना करते अतिथिगण। फोटो :हरिभूमि

श्रद्धालुओं ने की माता रानी की जयकार

जींद। जय मां बनभौरी सेवा समिति जींद द्वारा जींद से बनभौरी धाम के लिए पैदल ध्वजा यात्रा का आयोजन किया गया। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा के प्रतिनिधि राजन चिल्लाना, अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल, सुभाष डाहोलिया तथा अग्रोहा धाम जींद के प्रधान अशोक गोयल ने यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पावन सानिध्य बनभौरी धाम मंदिर के पुलकित कौशिक का रहा। पावन यात्रा बनखंड महादेव मंदिर से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों देवीलाल चौक अंडरपास, चक्कर रोड, घंटाघर, बैंक रोड, रामराये गेट, झांझ गेट और पटियाला चौक से गुजरती हुई बनभौरी धाम पहुंची। यात्रा के दौरान भव्य झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। जिन्हें देखने के लिए जगह-जगह लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

इंडस स्कूल जूनियर विंग में ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजन

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मोहा मन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। ग्रेजुएशन सेरेमनी में भाग लेते हुए बच्चे व कार्यक्रम को संबोधित करते इंडस निदेशक सुभाष श्योराण।

इंडस पब्लिक स्कूल जूनियर विंग में कक्षा यूकेजी के विद्यार्थियों की ग्रेजुएशन सेरेमनी बड़े ही उत्साह, गर्व और उल्लास के साथ आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ इंडस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के निदेशक सुभाष श्योराण, कॉर्डिनेटर प्रवीन परूथी, प्राचार्या अरुणा शर्मा और उप प्राचार्य प्रवीण कुमार ने दीप प्रज्वलित करके किया। यह ग्रेजुएशन सेरेमनी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देने के उद्देश्य से की गई । कोनवोकेशन ड्रेस में विद्यार्थियों ने बड़े ही उत्साह के साथ डिग्री प्राप्त की। ग्रेजुएशन डे पर पेरेंट्स बहुत उत्साहित रहे और साथ ही साथ विद्यार्थियों ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर प्रांगण में उपस्थित सभी अभिभावकों का मन मोह लिया। निदेशक सुभाष श्योराण ने कहा कि यह ग्रेजुएशन सेरेमनी बच्चों के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण है। जो उन्हें आगे बढने और नए लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर बच्चों को उनकी कड़ी मेहनत और उपलब्धियों के लिए बधाई दी। हम चाहते हैं कि ये नन्हे सितारे इसी तरह शिक्षा के नए आयाम छूते रहे। इस अवसर पर कॉर्डिनेटर प्रवीन परूथी और प्रधानाचार्या अरुणा शर्मा ने अभिभावकों को बच्चों में नैतिक मूल्यों को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। अंत में मुख्याध्यापिका गुरमीत कौर ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए उन्हें बहुत बहुत बधाई दी व निमंत्रित प्राधिकारियों और सभी अभिभावकों को उनकी उपस्थिति और उनके सहयोग के लिए धन्यवाद किया।

जिले में गैस सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध : एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने जानकारी देते बताया कि उपमंडल क्षेत्र में घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए रसोई गैस की किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। उपभोक्ताओं को उनकी आवश्यकता अनुसार नियमित रूप से गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने बताया कि प्रशासन द्वारा विशेष रूप से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आमजन के साथ साथ आवश्यक सेवाओं जैसे मेडिकल संस्थान, स्कूल तथा आंगनवाड़ी केंद्रों को गैस सिलेंडर की आपूर्ति निरंतर और सुचारू रूप से होती रहें ताकि जरूरी सेवाओं के लिए किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके अतिरिक्त जिन परिवारों में लड़कियों की शादी समारोह आयोजित होने हैं, उनके लिए भी विशेष प्रावधान किया गया हैए ऐसे परिवार अस्थायी गैस कनेक्शन के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिसके तहत उन्हें कमर्शियल गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाए जाएंगे। समारोह के पश्चात यह अस्थायी कनेक्शन एवं सिलेंडर वापस किए जा सकते हैं। आमजन से अपील की कि वे गैस सिलेंडर का उपयोग केवल निर्धारित उद्देश्यों के लिए ही करें तथा किसी भी प्रकार के दुरुपयोग से बचें। प्रशासन द्वारा गैस के दुरुपयोग पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

खबर संक्षेप

रबी सीजन में मजदूरों को मिलेगी नई मजदूरी

पाई। प्रदेश सरकार द्वारा रबी 2026 के लिए मजदूरों के लिए नई मजदूरी की घोषणा कर दी गई है। मार्केटिंग बोर्ड द्वारा इस मजदूरी की लिस्ट मार्किट कमेटी कार्यालय को भी जारी कर दी गई है। लिस्ट के अनुसार अनाज मंडी में किसानों की फसल ट्राली से उतराई 2.42, सफाई हाथ से 2.28, सफाई मशीन से 3.98, ढेरी से भरकर कंडे पर रखवाई 3.63, तुलाई 2.42, कंडे से उतराई 1.84, टांका लगाई सुतली सहित हाथ से 1.84, मशीन से धागे समेत 2.18 तथा वाहन में लदाई 3.46 रुपए प्रति 50 किलो की बोरी की होगी। मार्किट कमेटी सचिव जोगेंद्र सिंह पेसिया ने बताया कि यह लिस्ट सभी आढतियों को बता दी गई है। गेहूं के सीजन में सभी आढ़ती अपने मजदूरों को इसी हिसाब से मजदूरी देंगे।

भूमि मालिकों के लिए 24 को एचएसवीपी का कैंप

जींद । हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के संपदा अधिकारी सत्यवान सिंह मान ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के विभिन्न कस्बों व जिलों में प्रस्तावित डेवेलपमेंट प्लान के तहत रिहायशीए व्यावसायिक एवं संस्थागत सेक्टरों के विकास के लिए ई भूमि पोर्टल के माध्यम से भूमि खरीदने, अधिग्रहित करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेशभर में लगभग 1,46,707, 921 एकड़ भूमि खरीदे जाने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया के तहत ई भूमि पोर्टल के माध्यम से भूमि खरीदने के लिए इच्छुक भूमालिकों, एग्रीगेटरों को अपनी भूमि का विवरण पोर्टल पर अपलोड करना होगा।

पिस्तौल व कारतूस सहित एक गिरफ्तार

हिसार। सीआईए वन टीम ने अवैध हथियार सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान सुथार मोहल्ला अग्रोहा निवासी रमेश के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार सीआईए वन टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि एक युवक अवैध असला सहित मीरपुर से नंगथला रोड पर पैदल जा रहा है और उसकी गतिविधि संदिग्ध है। सूचना के बाद पुलिस ने तुरंत दबिश देकर एक युवक को दबोच लिया। पूछताछ में उसकी पहचान अग्रोहा के सुथार मोहल्ला निवासी रमेश के रूप में हुई।

95 लाख में बनेगा वाल्मीकि आश्रम

12 करोड़ से वार्ड 12 में पूरा होगा रविदास सामुदायिक भवन का निर्माण

खास बातें

- एक करोड़ से वार्ड एक में गुरु रविदास सामुदायिक भवन बनेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कलायत

कलायत। प्राचीन कपिल मुनि सरोवर तट पर स्थित महाराजा अग्रसेन पार्क।

कलायत शहर को विकास के मामले में हर स्तर पर नई दिशा देने को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने धन का पिटारा खोल दिया है। इसमें 2 करोड़ से अधिक के बजट से वार्ड 12 में भगवान परशु राम सामुदायिक भवन के अधूरे निर्माण को पूरा करने, 1 करोड़ से वार्ड एक में संत शिरोमणि गुरु रविदास सामुदायिक भवन, 35 लाख रुपए से डा.भीम राव अंबेडकर पुस्तकालय, वार्ड 8 में 95 लाख रुपए के बजट से महर्षि वाल्मीकि आश्रम परिसर में सामुदायिक भवन, 1 करोड़ 90 लाख से महाराजा अग्रसेन पार्क सौदर्यकरण, 1 करोड़ 5 लाख 25 हजार से कलायत के कैथल रोड पर भगवान कपिल मुनि द्वार एवं कैथल रोड पर श्री कृष्ण द्वार, विश्वकर्मा वाटिका में 1 करोड़ 33 लाख 48 हजार के बजट से भगवान विश्वकर्मा के नाम से ई-लाईब्रेरी, 3 करोड़ 59 लाख 7 हजार रुपए के बजट से कैथल-नरवाना मार्ग, प्राचीन कपिल मुनि धाम मार्ग पर पानी निकासी के नाले का निर्माण व अन्य विकास कार्य शामिल हैं। संबंधित विकास योजनाओं को गति देने के लिए नगर पालिका की बजट बैठक में पार्षदों ने मुख्य रूप से आवाज उठाई थी। इसमें निर्माण विकास कार्यों में पारदर्शिता एवं गतिशीलता पर मुख्य फोक्स रहा। कलायत में करोड़ों रुपए के विभिन्न विकास की मांग नगर पालिका पार्षदों द्वारा मुख्य रूप से पिछले वर्ष मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष रखी थी। इसा दौरान पूर्व राज्य मंत्री कमलेश ढांडा मुख्य रूप से मौजूद रही। अब सरकार द्वारा इस पर मुहर लगने से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। इसके लिए हर कोई सरकार का आभार व्यक्त कर रहा है। अग्रवाल सेवा समिति के प्रधान नंबरदार संजय सिंगला और अन्य नगर पालिका प्रतिनिधियों ने भी सरकार के इस फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी मिलने से शहर के विकास को नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर नगर पालिका पार्षदों और स्थानीय लोगों ने लड्डु बांटकर खुशी का इजहार किया।

लोगों का कहना है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से कलायत का सौंदर्य बढ़ेगा और यह क्षेत्र धार्मिक व पर्यटन दृष्टि से भी और अधिक आकर्षक बनेगा।

विकास कार्यों को लेकर पालिका सजग

नगर पालिका कनिष्ठ अभियंता अब्दुबल वाहब खान ने बताया कि सचिव की अगुवाई में नगर पालिका द्वारा विकास योजनाओं से जुड़ी तमाम प्रक्रियाओं को पूरा किया जा रहा है। विकास कार्यों से शहर का सौंदर्यकरण बढ़ेगा और व्यवस्था मजबूत होगी। नगर पालिका विकास एवं जनहित कार्यों को लेकर पूरी तरह सजग है।

प्रदेश सरकार कलायत पर मेहरबान

भाजपा कलायत मंडल अध्यक्ष राजीव राजपूत ने कहा कि दिव्य नगर योजना के तहत वर्ष 2024 में तत्कालीन नगर पालिका जनप्रतिनिधियों द्वारा जो मांगें उठाई गई थीं उन्हें नायब सिंह सैनी सरकार ने पूरा करने का कार्य किया है। उन्होंने इसके लिए पूर्व राज्यमंत्री कमलेश ढांडा, नगरवासियों, पालिका प्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

उदय सिंह किले पर गूंजा गीता ज्ञान, भक्तिमय हुआ माहौल

गीता जीवन जीने की कला सिखाती है: स्वामी ज्ञानानंद

कृष्ण बेदी ने गीता सत्संग में लिया आशीर्वाद, 11 लाख के अनुदान देने की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

कैथल। स्वामी ज्ञानानंद महाराज केबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी को गीता भेंट करते हुए तथा उपस्थित श्रद्धालु।

कैथल के भाई उदय सिंह किले पर श्री कृष्ण कृपा सेवा समिति एवं जीओ गीता परिवार के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार शाम से तीन दिवसीय दिव्य गीता सत्संग का प्रारंभ हुआ। गीता सत्संग में महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी ने उपस्थित भक्तों को भगवद् गीता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि मनुष्य गीता के उपदेशों को अपने जीवन में उतार ले, तो वह कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी सही मार्ग प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला मार्गदर्शक है। महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने सभी श्रद्धालुओं को सनातन नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सौभाग्य का दिन है कि यह दिव्य सत्संग हिंदू नव वर्ष के प्रारंभ होने पर शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि हिंदू नव वर्ष केवल एक तिथि परिवर्तन नहीं, बल्कि जीवन के हर पहलू में सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि हिंदू नव वर्ष वैचारिक और व्यवहारिक दोनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने पश्चिमी नव वर्ष 1 जनवरी और हिंदू नव वर्ष के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि जहां 1 जनवरी का नव वर्ष कई स्थानों पर शोर-शराबे और नशे के साथ मनाया जाता है, वहीं हिंदू नव वर्ष सात्विकता और आध्यात्मिकता के साथ आरंभ होता है। स्वामी ज्ञानानंद ने कहा कि हिंदू नव वर्ष के साथ ही नवरात्रि का भी शुभारंभ होता है, जो अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। यह पर्व मनुष्य को बुराई से अच्छाई की ओर, जड़ता से चेतना की ओर और अमंगल से मंगल की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने कहा कि सभी हिंदू नव वर्ष को सात्विकता और दिव्यता के साथ मनाते हैं। दिव्य गीता सत्संग के पहले दिन भक्ति, ज्ञान और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत माहौल देखने को मिला। गीता सत्संग के शुभारंभ अवसर पर हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने स्वामी ज्ञानानंद से आशीर्वाद लिया और आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आध्यात्मिक कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने सेक्टर-19 हुडा क्षेत्र में बन रहे श्री कृष्ण कृपा सेवा धाम के निर्माण कार्य के लिए 11 लाख देने की घोषणा भी की।

गोशाला के लिए 575 करोड़ मंजूर

उन्होंने कहा कि स्वामी ज्ञानानंद जी का 'गीता संदेश' मिशन पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति और सनातन ज्ञान का प्रकाश फैलाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को सद्भाव, स्नेह, समरसता और सौहार्द के संदेश की आवश्यकता है और ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। गो-सेवा पर अपने विचार रखते हुए मंत्री ने कहा कि स्वामी जी के मार्गदर्शन से समाज में गो माता के प्रति श्रद्धा बढ़ी है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा गोशालाओं के लिए 575 करोड़ रुपये का वार्षिक बजट निर्धारित किया गया है। इसके अंतर्गत गौ माता के चारे के लिए प्रतिदिन 20 रुपये, नंदी के लिए 25 रुपये तथा बछड़ा-बछिया के लिए 10 रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि गोशालाओं के भीतर संपत्ति हस्तांतरण पर सरकारी शुल्क पूरी तरह माफ किया गया है तथा सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अनुदान दिया जा रहा है, जिससे गौशालाएं आत्मनिर्भर बन सकें।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व हेफेड चेयरमेन कैलाश भगत,पूर्व चेयरमैन अरुण सर्राफ,श्याम लाल बंसल,प्रमुख समाज सेवी सुधीर मेहता,अमरजीत छाबड़ा , राजकुमार मुखीजा,डॉ.सुदर्शन चूघ,डॉ रोहित मेहता, संजय गर्ग,शरद बंसल,सोनू वर्मा,सुजीत कपूर,पार्षद प्रतिनिधि रजत थरेजा आदि रहे।

एनआईआईएलएम विवि ने प्रारंभिक सांस्कृतिक झांकी में पाया प्रथम स्थान

- स्किट में द्वितीय और सांस्कृतिक झांकी में तृतीय स्थान हासिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

कैथल। खिलाडियों को सम्मानित करते विश्विवद्यालय के पदाधिकारी।

एन आई आई एल एम विश्वविद्यालय कैथल के लिए यह अत्यंत गर्व और सम्मान का विषय है कि सत्यभामा इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी,चेन्नई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अंतर-विश्वविद्यालय महोत्सव में विश्वविद्यालय की स्किट टीम ने द्वितीय स्थान तथा प्रारंभिक सांस्कृतिक झांकी (इंट्रोडक्टरी कल्चरल प्रोसेशन) ने तृतीय स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि से पूरे विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष और गर्व का माहौल है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में विजेता टीम के स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय प्रबंधन के श्री संदीप चहल (चेयरमैन), डॉ. बलराज ढांडा (मैनेजिंग डायरेक्टर) तथा डॉ. संदीप चहल (डायरेक्टर) ने टीम के सदस्यों को विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रो वाइस चांसलर डॉ. धुल तथा रजिस्ट्रार डॉ. आर.के. गुप्ता, श्री राजेंद्र गोयत (एडमिशन डायरेक्टर) ने विद्यार्थियों को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई दी। साथ ही श्री शिवम (कल्चरल कोऑर्डिनेटर) और श्री करण (थिएटर डायरेक्टर) के मार्गदर्शन की भी सराहना की गई।

आम सभा में प्रधान ने कोषाध्यक्ष महासचिव और सचिव को हटाया

- बोले : केवल पद ही नहीं आजीवन सदस्यता भी रद्द की कालेजियम के 48 सदस्य होने का किया दावा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

जींद। पत्रकारों से बातचीत करते फूल कुमार मोर।

जाट धर्मार्थ सभा का विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को प्रधान फूल कुमार मोर ने बैठक करते हुए छह महीने पहले चुने गए कोषाध्यक्ष, महासचिव व सचिव को उनके पदों से हटाते हुए उनकी आजीवन सदस्यता भी रद्द करने का ऐलान किया। इससे पहले शुक्रवार को दूसरे पक्ष ने प्रधान को हटाने का फरमान जारी किया था। अब इस पर निर्णय जिला फर्म एंड रजिस्ट्रार सोसायटी को लेना होगा। प्रधान फूल कुमार मोर ने कहा कि दूसरे पक्ष के लोगों ने उन पर जो आरोप लगाए हैं, वह निराधार हैं। दूसरा पक्ष सभा के संचालन में रोड़ा बन रहा है। उनके साथ कालेजियम के 48 सदस्य इस समय मौजूद हैं। इन सभी ने फैसला लिया है कि सभा के संचालन में बाधा बन रहे कोषाध्यक्ष, महासचिव व सचिव को पद से हटाया जाए। सबकी सहमति से यह फैसला लिया गया है। जो लोग इन कर्मचारियों के सभा के आजीवन सदस्य होने के आरोप लगा रहे हैं, वह बेबुनियाद हैं। उन्होंने कहा कि जो दूसरे पक्ष के लोग कालेजियम के 55 सदस्य उनके साथ होने का दावा करते हैं, वह फर्जी हैं। बहुत से सदस्यों के झूठे हस्ताक्षर करवाए गए हैं। पहले आम सभा के नाम पर लोगों के हस्ताक्षर करवा लिए और बाद में एक एजेंडे व प्रस्ताव का पेज आगे लगा दिया।

तीन अलग अलग मामलों में 3 भगोड़े आरोपी काबू

कैथल। पीओ पकड़ो स्टॉफ द्वारा काबू किए गए भगोडे आरोपी।

कैथल। पीओ पकड़ो स्टॉफ द्वारा अलग अलग 3 मामले में 3 उद्घघोषित आरोपियों को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पीओ पकड़ो स्टाफ प्रभारी एसआई ओमप्रकाश की अगुवाई में एएसआई महा सिंह द्वारा महिला आरोपी आरती निवासी जाखौली अड्डा कैथल को गिरफ्तार किया गया। महिला आरोपी पर 10 जुलाई 2022 को गांव शेरगढ स्थित एक वर्कशॉप से लोहा का सामान चोरी करने का आरोप है। जिस बारे थाना तितरम में मामला दर्ज है। उक्त मामले में महिला आरोपी न्यायालय से जमानत हासिल करने उपरांत न्यायालय में हाजिर नहीं हुई। जिसे माननीय न्यायालय द्वारा 23 जनवरी 2026 को पीओ घोषित किया था। एक अन्य मामले में एसआई सतीश द्वारा आरोपी कंठला जिला कुरुक्षेत्र निवासी प्रताप सिंह को काबू किया गया। आरोपी प्रताप को 20 जुलाई 2025 को थाना चीका पुलिस द्वारा कल्लर माजरा मोड़ चीका से एक अवैध चाकू सहित पकड़ा गया था, जिस बारे थाना चीका में मामला दर्ज है, उक्त मामले में आरोपी न्यायालय से जमानत हासिल करने उपरांत न्यायालय में हाजिर नहीं हुआ, जिसे माननीय न्यायालय द्वारा 7 फरवरी 2026 को पीओ घोषित किया गया था। तीसरे मामले में एएसआई पवन कुमार की टीम द्वारा आरोपी गांव सिरटा निवासी सुनील को गिरफ्तार किया गया। आरोपी पर 18 जून 2022 को सिरटा गांव में एक घर से नकदी चोरी का आरोप है। थाना सदर में दर्ज उक्त मामले में आरोपी जमानत उपरांत न्यायालय में हाजिर नहीं हुआ, जिससे माननीय न्यायालय द्वारा 3 फरवरी 2026 को पी ओ घोषित किया था। पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जा रही है।

राशन डिपो से सामान चोरी में आरोपी काबू

कैथल। थाना शहर क्षेत्र अंतर्गत सरकारी राशन डिपो में हुई चोरी के मामले को त्वरित कार्रवाई दौरान सुलझाते हुए एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टॉफ द्वारा एक आरोपी को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि संजय कुमार निवासी खुराना रोड कैथल की शिकायत अनुसार वह सिरटा रोड बिजली घर के पास सरकारी राशन डिपो चलाता है। 19 मार्च की सुबह सूचना मिलने पर जब वह दुकान पर पहुंचा तो शटर खुला मिला और ताले टूटे हुए थे। जांच करने पर पाया गया कि अज्ञात चोर दुकान से 4 पेटी तेल, 4 कट्टे चीनी व 10 कट्टे गेहूं चोरी कर ले गए। शिकायत के आधार पर थाना शहर में मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टॉफ प्रभारी एसआई प्रदीप की अगुवाई में एएसआई जसमेर सिंह की टीम ने की कानूनी कार्रवाई।

इनेलो के 23 मार्च को नरवाना में होने वाले युवा शहीदी सम्मेलन में पहुंचें लाखों युवा : रामपाल

- युवा इस बीजेपी सरकार से मुक्ति दिलवाएंगे
- राज्य सभा चुनाव में जन प्रतिनिधियों की मंडी लगाई , कांग्रेस ने 9 वोट बेचे और बीजेपी ने खरीद लिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

कैथल। इनेलो प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा पत्रकारों को संबोधित करते हुए।

इनेलो के प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने कहा कि 23 मार्च को शहीदी दिवस के अवसर पर स्वर्गीय चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की कर्मभूमि रही नरवाना की अनाज मंडी में वीर शहीदों को नमन करने के लिए लाखों युवा पहुंचेंगे। इसके लिए पिछले एक माह से कार्यकर्ता घर-घर और गांव जाकर निमंत्रण दे चुके हैं। पार्टी के सभी विंगों की बैठक हो चुकी है। माजरा अपने निवास सेक्टर-20 में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शहीदी दिवस पर विशाल जन सभा में देश के महान सपूतों को श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। शहीदों की बदौलत हम तो आजाद हो गए, लेकिन अब बीजेपी पार्टी लोकतंत्र का गला घोट रही है। बीजेपी के राज में लोगों को नाके चने चबाए जा रहे हैं, प्रदेश के अंदर ही आम लोगों को परेशान किया जा रहा है। जो भी सरकार के खिलाफ बोलता है, उसे झूठे मुकदमें या अन्य हत्थकंडे अपनाकर दबाने का काम किया जा रहा है।

चुनाव के बाद 12 लाख लोगों के राशन कार्ड काट दिए

चुनाव से पहले 59 लाख लोगों के खाते में राशन डाल दिया। चुनाव होने के बाद 12 लाख राशन कार्ड काट दिए। आयुष्मान में भी अब कोई भी बड़ा आपरेशन नहीं हो रहा है। नरवाना के 23 मार्च को होने वाले शहीदी सम्मेलन में बीजेपी की केंद्र और हरियाणा सरकार की पोल खोली जाएगी। इस सम्मेलन में प्रदेशभर से लाखों युवा पहुंचेंगे, इसके बाद प्रदेश की राजनीतिक के समीकरण ही बदल जाएंगे।

न्यूज डायरी

डा. रुकमेश वैदेही धर्म प्रेरणा सम्मान से सम्मानित

राजौंद। दुर्गा सप्तशती फाउंडेशन द्वारा आयोजित '5वें दुर्गा अवॉर्ड्स 2026' में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस भव्य समारोह का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और उनकी उपलब्धियों को सम्मान देना रहा। इस कार्यक्रम में हरियाणा से एकमात्र गांव बीर बांगडा से डा. रुकमेश चौहान को वैदेही धर्म प्रेरणा सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान बॉलीवुड अभिनेत्री महिमा चौधरी के हाथों प्रदान किया गया। डा. चौहान को यह सम्मान उनके राष्ट्रीय, धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यों के साथ-साथ बाढ़ के दौरान किए गए सेवा कार्यों को देखते हुए दिया गया।डा. रुकमेश चौहान शिक्षा के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं और अब तक उनकी चार पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

योगासन में सविता मलिक राज राणा ने जीता रजत

सीवन। ऑल इंडिया सिविल सर्विस योगासन प्रतियोगिता 2025-26 में हरियाणा की प्रतिभावान खिलाड़ी सविता मलिक राज राणा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक हासिल किया। यह उपलब्धि उन्होंने ट्रेडिशनल पेयर स्पर्धा में हासिल की। यह प्रतियोगिता 17 से 21 मार्च तक चंडीगढ़ के सेक्टर-23 स्थित टेबल टेनिस हॉल में आयोजित की गई थी। इस उपलब्धि से न केवल शिक्षा विभाग हरियाणा बल्कि कैथल जिले का नाम भी देशभर में गौरवान्वित हुआ है। सविता मलिक वर्तमान में जीएमएस पोलड में डीपी के पद पर कार्यरत हैं और इससे पहले भी वे एथलेटिक्स व योग में सिविल सर्विस खेलों में कई पदक अपने नाम कर चुकी हैं। सविता मलिक की इस उपलब्धि से जिले के खिलाड़ियों में भी उत्साह का माहौल है और युवा खिलाड़ियों को उनसे प्रेरणा मिल रही है।

जयमल सांग से कलाकारों ने बिखेरी संस्कृति की छटा

ढांड। बाबू अनंत राम जनता कॉलेज, कौल में युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सौजन्य से आयोजित 11वें रत्नावली युवा सांग महोत्सव (2025-26) के चौथे दिन हरियाणवी लोकनाट्य सांग "जयमल फत्ता" की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्राचार्या, चौधरी ईश्वर कन्या महाविद्यालय, फतेहपुर-पुंडरी डॉ. उषा तुरान उपस्थित रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने की। सांग की प्रस्तुति आर्य पीजी कॉलेज पानीपत की टीम द्वारा की गई, जिसमें कलाकारों ने अपनी दमदार अभिनय शैली, सजीव संवाद और पारंपरिक वेशभूषा के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

जनगणना 2027 : 38 फील्ड ट्रेनर हुए प्रशिक्षित

जनगणना का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

प्रशिक्षित फील्ड ट्रेनर्स प्रगणकों को देंगे प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

कैथल। मास्टर ट्रेनर मधु यादव और डॉ. जसपाल मलिक जनगणना ट्रेनर्स के साथ।

जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया, जिसमें कुल 38 फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया गया। ये प्रशिक्षित फील्ड ट्रेनर्स अब आगे प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनगणना के प्रथम चरण के लिए फील्ड स्तर पर फील्ड ट्रेनर्स को तैयार करना था। मास्टर ट्रेनरों द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रतिभागियों को जनगणना के विभिन्न तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया गया। इसमें मकान सूचीकरण, परिवार विवरण संकलन, डिजिटल डेटा एंट्री, मोबाइल ऐप के उपयोग और फील्ड में आने वाली चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षुओं को ऐप के माध्यम से डेटा भरने का प्रायोगिक अभ्यास भी कराया गया तथा लोगों से संवाद स्थापित करने के प्रभावी तरीके सिखाए गए।

डीसी अपराजिता ने अपने संदेश में कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसके आधार पर सरकार की नीतियां और विकास योजनाएं निर्धारित होती हैं। इस प्रक्रिया की सफलता के लिए सटीक और प्रभावी प्रशिक्षण सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। फील्ड ट्रेनर्स की भूमिका विशेष रूप से अहम है, क्योंकि वही आगे जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशिक्षित करेंगे।

जिला जनगणना समन्वय अधिकारी ज्योति राणा ने जानकारी देते हुए बताया कि आगे की प्रक्रिया के तहत ये 38 फील्ड ट्रेनर्स 6 अप्रैल से 22 अप्रैल 2026 तक चार्ज स्तर (तहसील एवं काउंसिल स्तर) पर प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे।

प्रशिक्षुओं को आवश्यक बुकलेट्स वितरित की

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर मधु यादव और डॉ. जसपाल मलिक (असिस्टेंट प्रोफेसर) ने प्रशिक्षण प्रदान किया। समापन अवसर पर जिला जनगणना समन्वय अधिकारी ज्योति राणा, जिला सांख्यिकी अधिकारी निर्मल सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षुओं को आवश्यक बुकलेट्स वितरित की गईं ताकि वे फील्ड में सटीक और त्रुटिरहित तरीके से कार्य कर सकें।

1 मई से 30 मई 2026 तक चलेगी गणना

जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं गणना का कार्य किया जाएगा। इससे पहले 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक नागरिकों को 'जनगणना पोर्टल' के माध्यम से ऑनलाइन स्व-गणना की सुविधा दी जाएगी। इसके पश्चात दूसरे चरण में फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना का कार्य सम्पन्न होगा।

खबर संक्षेप

जखोली से युवती बिना बताए घर से हुई लापता

कैथल। कैथल के गांव जखोली से एक युवती बिना बताए घर से लापता हो गई। गांव जाखोली की एक महिला ने तितरम थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 19 मार्च को दोपहर के समय उसकी बेटी बिना बताए घर से चली गई। उन्होंने उसकी आसपास काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। बाद में उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल रेनू बाला ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

संदिग्ध हालात में दो महिला लापता, मामले दर्ज

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों से दो महिलाओं के संदिग्ध हालात में गायब होने पर संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। पुलिस मामलो की जांच कर रही है। गांव बुढाखेड़ा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 19 मार्च को उसकी पत्नी घर से गायब हो गई। वहीं गांव लखमीरवाला निवासी गत 18 मार्च को उसकी पत्नी घर से गायब हो गई। दोनों व्यक्तियों ने दोनों महिलाओं का तलाशा भी लेकिन उनका कोई सुराग नही लगा। संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलेवा में चहल खाप का सम्मेलन आज

उचाना। उचाना हलके के गांव अलेवा में चहल खाप का 7वां सम्मेलन होगा। संदीप चहल बड़ौदा ने बताया कि यह सम्मेलन सुबह 10 से 4 बजे तक चलेगा जिसकी अध्यक्षता चहल खाप के प्रधान बलबीर सिंह चहल बड़ौदा करेंगे। समस्त चहल भाईचारा मिलकर गांव अलेवा सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

कबड्डी हॉल बनाने के लिए विधायक से मिली खिलाड़ी

उचाना। भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री से काकड़ोद गांव की कबड्डी खिलाड़ी कोच मंजीत की अगुवाई में मिली। विधायक से मिलकर काकड़ोद गांव में कबड्डी हॉल का निर्माण करवाने की मांग की। खिलाड़ियों ने कहा कि गांव की बेटियां का रूझान कबड्डी की तरफ बढ़ रहा है। कबड्डी के खेल में बेटी स्थान प्राप्त करके क्षेत्र का नाम रोशन कर रही है। कबड्डी हॉल बनने के बाद यहां पर खिलाड़ी अभ्यास कर सकेंगी। विधायक ने जल्द खिलाड़ियों की मांग पूरी करने का आश्वासन दिया।

मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़, वैष्णवी धाम में महायज्ञ में डाली आहूति

श्रद्धालुओं ने मां चंद्रघंटा से मांगी सुख और समृद्धि

जींद। जयंती देवी मंदिर में मां जयंती की पूजा करते हुए श्रद्धालु तथा माता वैष्णवी धाम में पूजा करते हुए श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन शनिवार को श्रद्धालुओं ने मंदिरों में जाकर मां चंद्रघंटा देवी की पूजा अर्चना की। शहर के प्रसिद्ध श्री जयंती देवी मंदिर, भूतेश्वर मंदिर, श्री सोमनाथ मंशा देवी मंदिर, वैष्णवी धाम में श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ रही। लोगों ने लाइन में लग कर पूजा अर्चना की। जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने तीसरे नवरात्र के महत्व के बारे में श्रद्धालुओं को बताया। उन्होंने कहा कि नवरात्र के तीसरे दिन चंद्रघंटा देवी की आराधना, ध्यान मंत्र जप किया जाता है। यह महादुर्गा की तीसरी शक्ति है। चंद्रघंटा शब्द का प्रयोग दो अर्थों में होता है। चंद्रः घंटायां यस्याः सा इति चंद्रघंटा अर्थात जिसके घंटा में चंद्रमा स्थित है, वहीं देवी चंद्रघंटा नाम से जगत में विख्यात है। दूसरा अर्थ यह है कि जिसके मस्तक पर घंटे के आकार का अद्र्ध चंद्रमा सुशोभित है, वहीं चंद्रघंटा देवी है। उधर, जयंती देवी मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही है।

जो करे निरंतर मां का स्मरण, वही है मां का सच्चा भक्त : आचार्य पवन शर्मा

आचार्य पवन शर्मा ने कहा कि मां का भक्त वह-जो निरंतर मां का स्मरण करें। जिसके अंतःकरण में प्रतिक्षण मां की ही स्मृति बनी रहे, जिसके जीवन का प्रधान लक्ष्य केवल मां हो। आचार्य पवन शर्मा नवरात्रों की द्वितीय रात्रि को माता वैष्णवी धाम में आयोजित नवार्ण महायज्ञ में उपस्थित मातृभक्तों को संबोधित कर रहे थे। सुरेश गर्ग एडवोकेट, विनोद मंगला, डा. विवेक सिंगला, गौरव गुंबर, जतिन नागपाल, अशोक आहुजा, गीता छाबड़ा, पूर्ण गिरधर ने सपरिवार मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की व महायज्ञ में आहुति दी। आचार्य ने कहा कि मां की स्मृति केवल उसे रहती है जो मां को अपना मानता है। प्रकृति का नियम है कि जिसे हम अपना समझते हैं उसे हम कभी भूलते नहीं हैं, हम उस व्यक्ति या वस्तु को ही भूलते हैं जिसे हम अपना नहीं समझते, जैसे कोई व्यक्ति अपने माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नि आदि परिजनों को नहीं भूलता, तो इसका कारण यही होता है कि वह इनको अपना मानता है। इनका स्मरण करने के लिए पृथक से कोई उपाय नहीं करना पड़ता। भगवान की स्मृति हमें इसलिए नहीं होती। क्योंकि हम उसे अपना नहीं मानते, हम भगवान की दी हुई वस्तुओं को तो अपना मानते हैं लेकिन भगवान को नहीं। कैसी विचित्र बात है कि हमने सब कुछ देने वाले को तो पराया और नश्वर वस्तुओं को अपना मान लिया है। आचार्य ने कहा कि केवल परमात्मा ही नित्य है, शाश्वत है, सनातन है इसलिए वे ही हमारे अपने हो सकते हैं।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर विकास ग्रोवर, अशोक गुलाटी, सुरेश कोचर, रविंद्र शर्मा, कार्तिकेय शर्मा, अश्विनी वधवा, विरेंद्र मेंहदीरत्ता, पवन कोचर, गुलशन कोचर, परमजीत सेठी, तिलक जुनेजा, भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

पूंडरी में 123 घंटे का अखंड महायज्ञ शुरू

मां बगलामुखी धाम में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

- विश्व कल्याण के लिए हो रहा महायज्ञ, 26 मार्च को पूर्णाहुति व विशाल भंडारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी के कैथल रोड स्थित मां बगलामुखी धाम में शनिवार सुबह 6 बजे 123 घंटे का अखंड महायज्ञ विधिवत रूप से शुरू हो गया। यह महायज्ञ 26 मार्च तक निरंतर जारी रहेगा, जिसके समापन पर पूर्णाहुति डाली जाएगी तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

महायज्ञ के संचालक आचार्य राजीव कौशिक ने बताया कि यह आयोजन विश्व कल्याण एवं मानव कल्याण की भावना से किया जा रहा है। इस प्रकार का भव्य महायज्ञ पूंडरी में पहली बार आयोजित हो रहा है, जिससे क्षेत्र में विशेष धार्मिक उत्साह देखने को मिल रहा है। मां बगलामुखी हिंदू धर्म की दस महाविद्याओं में से एक अत्यंत शक्तिशाली देवी मानी जाती हैं। उन्हें पीतांबरा देवी भी कहा जाता है, क्योंकि उन्हें पीले वस्त्र और पीले रंग से विशेष प्रियता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां बगलामुखी शत्रुओं का नाश करने, बुरी शक्तियों को नियंत्रित करने और साधक को विजय दिलाने वाली देवी हैं। कहा जाता है कि उनकी उपासना से वाणी, बुद्धि और शत्रु की शक्ति को स्थिर (स्तंभित) करने की सिद्धि प्राप्त होती है। पुराणों के अनुसार जब सृष्टि में असंतुलन उत्पन्न हुआ, तब मां बगलामुखी ने प्रकट होकर दुष्ट शक्तियों का विनाश किया और धर्म की रक्षा की। उनकी आराधना विशेष रूप से न्याय, वाद-विवाद, शत्रु बाधा और जीवन की कठिन परिस्थितियों से मुक्ति के लिए की जाती है। मां की कृपा से साधक को आत्मबल, साहस और सफलता प्राप्त होती है। तांत्रिक साधनाओं में भी मां बगलामुखी का विशेष स्थान है और उन्हें संकट निवारण की देवी के रूप में पूजा जाता है।

महायज्ञ में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश से आए विद्वान ब्राह्मण वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां दिलवा रहे हैं। यज्ञ स्थल पर श्रद्धालुओं की लगातार भीड़ उमड़ रही है और दूर-दराज के क्षेत्रों से भी लोग इस धार्मिक आयोजन में भाग लेने पहुंच रहे हैं। पूरे धाम परिसर में भक्तिमय माहौल बना हुआ है।

तीसरे नवरात्र पर मंदिरों में उमड़ी भीड़, महिला मंडल ने किया कीर्तन

राजौंद। नवरात्र के तीसरे दिन मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ की गई। इस अवसर पर सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। भक्तों ने माता रानी के दरबार में पहुंचकर सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। तीसरे नवरात्र का विशेष महत्व माना जाता है। मान्यता है कि मां चंद्रघंटा की पूजा करने से साहस, शक्ति और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और जीवन के कष्ट दूर होते हैं। इस दौरान मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना के साथ भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। महिला संकीर्तन मंडल द्वारा भी मंदिर परिसर में भव्य कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। महिलाओं ने ढोलक और मंजीरों की धुन पर मां दुर्गा के भजन गाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया।

किसान मजदूर यूनियन की अपीलः एक गोत्र विवाह व सामाजिक कुरीतियों पर रोक की मांग

राजौंद। किसान मजदूर यूनियन के प्रेस प्रवक्ता सुभाष बढ़सीकरी ने समाज में फैल रही विभिन्न कुरीतियों पर चिंता जताते हुए सुधार की अपील की है। उन्होंने कहा कि एक ही गोत्र में शादी, डीजे संस्कृति और दहेज प्रथा जैसी बुराइयों पर रोक लगनी चाहिए, ताकि समाज में संतुलन और भाईचारा बना रह सके।उन्होंने कहा कि आज के समय में रिश्तों को लेकर भी जागरूकता जरूरी है। बिना सामाजिक मान्यता के रिलेशनशिप में रहना तथा बच्चों के भविष्य को अनिश्चित बनाना समाज के लिए उचित नहीं है। इस विषय पर सरकार को भी गंभीरता से विचार करना चाहिए, ताकि 36 बिरादरी में शांति और भाईचारा कायम रह सके। इस दौरान किसान यूनियन के प्रदेश महासचिव सतपाल और खाप प्रवक्ता सुबे सिंह ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि समाज में बढ़ रहे अत्याचार और कुरीतियों को खत्म करने के लिए सभी को एकजुट होना होगा। उन्होंने दहेज प्रथा को एक गंभीर सामाजिक बीमारी बताते हुए इसे जड़ से समाप्त करने की अपील की।नेताओं ने कहा कि जो लोग बिना दहेज के शादी कर रहे हैं, उनके प्रयासों को समाज में बढ़ावा दिया जाना चाहिए और सभी को ऐसे सकारात्मक कदमों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

ऑल इंडिया सर्विसेज योगा प्रतियोगिता में प्राध्यापिका यशोदा ने जीते दो गोल्ड

- लगातार तीन साल से जीत रही हैं गोल्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

चंडीगढ़ में आयोजित हो रही ऑल इंडिया सर्विसेज योगासन प्रतियोगिता में जींद की कैमिस्ट्री प्राध्यापिका यशोदा ने ट्रेडिशनल और रिदमिक इवेंट में दो गोल्ड मेडल जीते हैं। यशोदा पिछले तीन साल से इस इवेंट में गोल्ड मेडल जीत रही हैं। प्रतियोगिता में हरियाणा की टीम ओवरऑल चैंपियन रही। गौरतलब है कि 17 से 21 मार्च तक खेल विभाग द्वारा चंडीगढ़ के सेक्टर 23 में टेबल टेनिस हाल में ऑल इंडिया सर्विसेज योगासन प्रतियोगिता पुरुष व महिला का आयोजन किया गया। इसमें देश भर के 250 से ज्यादा खिलाड़ियों ने भाग लिया। हरियाणा के 36 खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता की। जींद की कैमिस्ट्री टीचर यशोदा ने 40 से 50 आयु वर्ग में ट्रेडिशनल इवेंट में भाग लेते हुए गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद रिदमिक पेयर 40 से 50 आयु वर्ग में गुरुग्राम की निधि और यशोदा का गोल्ड मेडल रहा। 50 से ज्यादा आयु वर्ग में जींद के शामलो कलां में प्रिंसीपल शिवनारायण शर्मा, बूढ़ाखेड़ा लाठर स्कूल से सोमदेव आर्य की जोड़ी ने भी रिदमिक पेयर में 50 से ज्यादा आयु वर्ग में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। प्रतियोगिता के समापन खेल सचिव आईएएस प्रेरणा पुरी ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की और विजेताओं को सम्मानित किया। जींद के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में कैमिस्ट्री की प्राध्यापिका यशोदा आर्या लगातार तीन साल से इस इवेंट में गोल्ड मेडल जीत रही हैं। इस बार उनकी हैट्रिक रही। यशोदा आर्या ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर उनके अब तक 12 मेडल हो चुके हैं तो राज्य स्तर पर वह 40 से ज्यादा मेडल जीत चुकी हैं।

रेल यात्रियों की सुविधा के लिए रेल वन एप को बढ़ावा

- एप के माध्यम से टिकट बुक कराने पर यात्रियों को किराये में छूट

जींद। रेल यात्रियों की सुविधा के लिए अब रेल वन एप का उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस एप के माध्यम से टिकट बुक कराने पर यात्रियों को किराये में छूट मिलने का लाभ भी मिलेगा। इस एप की एक खासियत यह भी है कि इसमें ट्रेन से जुड़ी हर जरूरी जानकारी सटीक रूप से मिलती है। यात्री ट्रेन की लाइव लोकेशन, आगमन और प्रस्थान का समय, प्लेटफार्म नंबर सहित अन्य अपडेट आसानी से देख सकते हैं। इससे यात्रियों को अनिश्चितता का सामना नहीं करना पड़ेगा और वे अपनी यात्रा को बेहतर तरीके से प्लान कर सकेंगे। रेलवे कर्मचारियों ने स्टेशन पर यात्रियों को एप के फायदे बताते हुए इसे अधिक से अधिक इस्तेमाल करने के लिए कहा है। रेलवे जंक्शन पर वाणिज्य अधीक्षक सुनील कटारिया की टीम रोजाना 40 से 50 यात्रियों के मोबाइल फोन पर रेल वन एप इंस्टाल करवा रही है। उन्होंने बताया कि रेल वन एप से यात्री घर बैठे आसानी से टिकट बुक कर सकते हैं। जिससे उन्हें लंबी लाइनों में लगने से राहत मिलेगी। साथ ही एप के जरिये मिलने वाली छूट से यात्रा और भी किफायती हो जाएगी। उन्होंने बताया कि डिजिटल प्लेटफार्म को बढ़ावा देने के लिए रेलवे समय-समय पर ऐसे ऑफर दे रहा है। कर्मचारियों ने यात्रियों को एप डाउनलोड करने की प्रक्रिया भी समझाई और बताया कि यह एप उपयोग में बेहद सरल है। उन्होंने कहा कि डिजिटल सेवाओं के इस्तेमाल से न केवल समय की बचत होगी बल्कि पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

पूंडरी। प्रशिक्षण शिविर में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते विधायक जाम्बा।

विकसित भारत का सपना सिर्फ भाजपा सरकार कर सकती है साकारः सतपाल जाम्बा

पूंडरी। पुंडरी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित भाजपा के प्रशिक्षण शिविर में विधायक सतपाल जाम्बा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत का सपना केवल भाजपा के नेतृत्व में ही साकार हो सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद, सेवा और समर्पण की विचारधारा है। उन्होंने कहा कि पार्टी का मूल मंत्र "राष्ट्र प्रथम, पार्टी द्वितीय, स्वयं अंत में" है और इसी सोच के साथ भाजपा सरकार देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक स्तर पर एक मजबूत और निर्णायक शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि गरीबों के लिए मुफ्त राशन, जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि, स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में रिकॉर्ड विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज देश की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल रही हैं। हरियाणा सरकार के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए विधायक ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व में प्रदेश में पारदर्शी शासन की नींव रखी गई, जिसे वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा विकास और पारदर्शिता का मॉडल बन चुका है। विधायक जाम्बा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता संगठन की ताकत है और उन्हें योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव बूथ स्तर पर जीता जाता है और कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे अहम होती है। अंत में उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें।

509 ग्राम अफीम सहित एक आरोपी काबू

- सीआईए 1 ने हांसी-बुटाना नहर पुल के पास बलजीत को पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

जिला कैथल में नशा तस्करों के खिलाफ एसपी उपासना के कुशल नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए-1 पुलिस ने थाना चीका क्षेत्र से एक आरोपी 509 ग्राम अफीम सहित काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सीआईए-1 प्रभारी

एसआई जसवंत सिंह की अगुवाई में एएसआई बिजेंद्र सिंह की टीम गश्त दौरान बस अड्डा हरिगढ़ किंगन के पास मौजूद थी। सहयोगी सुत्रो से पुलिस टीम को एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि बलजीत कुमार, अवैध रूप से अफीम तस्करी का कार्य करता है। जो वह हांसी-बुटाना नहर पुल के पास अफीम लेकर किसी ग्राहक का इंतजार कर रहा है। जिस तुरंत रेड करके अफीम सहित काबू किया जा सकता है। तलाशी दौरान आरोपी के कब्जे से 509 ग्राम अफीम बरामद हुई। मौके पर पहुंचे एएसआई कमलजीत सिंह द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

भाजपा ने उचाना में परिवारवाद को किया समाप्तः सुषमा अत्री

उचाना। भाजपा नेत्री सुषमा अत्री उचाना हलके में कार्यकर्ताओं के यहां आयोजित कार्यक्रमों में विभिन्न गांव में पहुंची। यहां पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया। सुषमा अत्री ने कहा कि कार्यकर्ता उनके परिवार के सदस्य है। आज उचाना हलके के मतदाताओंए कार्यकर्ताओं के बदौलत आम परिवार का युवा विधानसभा पहुंचा। उचाना में परिवारवाद की राजनीति को भाजपा ने खत्म करने का काम किया जिसका उदाहरण देवेंद्र चतरभुज अत्री है। आज उचाना विकास के मामले में निरंतर आगे बढ़ रहा है। पहले उचाना हलके में वायदे अधिक होते थे लेकिन काम कम होता था। अब वायदे कम होते है लेकिन काम अधिक होता है।

मारपीट में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

कैथल। गांव फर्शमाजरा में हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। जरनैल सिंह ने सिवान थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 16 मार्च को शाम को करीब 7:00 बजे गांव के ही बलराज सिंह, उसके बेटे अभिषेक, श्यामलाल, रोहित, दीपक, बलजीत व रोहित ने अपने पांच अन्य साथियों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट करते हुए उसे घायल कर दिया।

त्योहार नमाज अता करके अल्लाह से मांगी अमन एवं चैन की दुआ

जिलेभर में धूमधाम से मनाया ईद-उल-फितर

- गले मिलकर दी बधाई, खूफिया एजेंसियां रही सतर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिलेभर में शनिवार को ईद-उल-फितर पर्व श्रद्धा एवं विश्वास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर इस्लाम धर्म के अनुयायियों ने ईदगाह में नमाज अता करके अल्ला ताला से बरकत तथा अमन चैन की की दुआ मांगी। हांसी ब्रांच नहर के निकट ईदगाह में ईद-उल-फितर पर्व पर नवाज अता करने के लिए इस्लाम धर्म के अनुयायी शनिवार सुबह से ही ईदगाह में जमा होना शुरू हो गए थे। हजारों की संख्या में मुसलमानों ने नमाज अता की तथा सदका, फितरा, जकात जमा कराई, वहीं गरीबों को दान दिया। कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा के प्रतिनिधि राजन चिल्लाना ने शिरकत की और इस्लाम धर्म के अनुयायियों के साथ बैठे। ईद-उल-फितर पर्व को देखते हुए ईदगाह के निकट पुलिसबल तथा खूफिया एजेंसियों के लोगों ने लगातार निगाहें जमाए रखी। वहीं जामा मस्जिद उचाना मंडी में लोगों द्वारा शांतिपूर्वक नवाज अता की गई। कब्रीस्थान करसोला रोड जुलाना में लोगों ने शांति पूर्वक नमाज अता की। वहीं जलालपुर कलां मस्जिद में, एलआईसी रोड नरवाना में इमाम महोम्मद रफीक की अध्यक्षता में नमाज पढ़ी गई। जामा मस्जिद हथो में इमाम मुहम्मद याकिब की अध्यक्षता में, नूर मस्जिद दनौदा कलां में इमाम अब्दुल रज्जाक, नुरानी मस्जिद बीरबल नगर शहर नरवाना में मोहम्मद कामील की अध्यक्षता में नमाज अता की। वहीं शाहों नूर मस्जिद कलोदा कलां में भी नमाज अता की गई।

इस अवसर पर मेले का भी आयोजन किया गया। मस्जिद के बाहर खिलौनों, मिठाइयों, चाट पकौड़ी की दुकाने सजाई गई थी। नमाज अता करने के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने जमकर खरीददारी की व एक दूसरे को ईद की बधाई दी।

जे 5 ईद-उल-फितर पर नमाज अता करते हुए लोग। फोटो : हरिभूमि

कुरान की आयतें पढ़ीं

जामा मस्जिद के इमाम ने मुस्लिम समुदाय के लोगों को नमाज पढ़ाई तथा भाइचारे को मजबूत करने व विश्व शांति, कौमी एकता की दुआ अल्लाताला से मांगी। उन्होंने बताया कि यह पर्व हमें हजरत इब्राहिम के बलिदान की याद दिलाता है, जिससे मानवता को उच्च नैतिक मूल्यों के लिए स्वयं को समर्पित करने की प्रेरणा मिलती है। इस मौके पर उन्होंने कुरान की आयतें पढ़ीं। बाद में सभी ने एक दूसरे को गले मिल कर ईद-उल-फितर की बधाई दी तथा सुखद भविष्य की कामना की।

माता भ्रामरी धाम में श्रद्धालुओं के लिए किए पुख्ता प्रबंध

उचाना। नवरात्र में देवभूमि बनभौरी स्थित माता भ्रामरी धाम पर आने वाले श्रद्धालुओं से अपील करते हुए शौर्य कौशिक माता भ्रामरी धाम ने कहा कि मंदिर परिसर में साफ.सफाई रखने में श्रद्धालु पूरा सहयोग करें। श्रद्धालुओं के लिए मंदिर परिसर में पुख्ता प्रबंध श्रद्धालुओं के लिए किए गए है ताकि किसी तरह की परेशानी श्रद्धालुओं को माता के दर्शन के दौरान न आए। नवरात्र की शुरूआत से लेकर निरंतर मंदिर प्रांगण में भंडारा चल रहा है। व्यवस्था को बनाने में श्रद्धालु पूरा सहयोग करें। मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है। सीसीटीवी कैमरे में हर गतिविधि दर्ज होती है। प्रदेश ही नहीं बल्कि आस.पास के राज्यों से श्रद्धालु नवरात्र में पूजा.अर्चना के लिए पहुंचते है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 22 मार्च 2026

रील एडिक्शन

हेल्थ-लाइफ के लिए हार्मफुल

सोशल मीडिया पर रील्स की भरमार मौजूद रहती है। हर उम्र के लोग इसकी लत के शिकार हो रहे हैं। इससे उनके शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर भी प्रभाव पड़ रहा है। इससे बचने के लिए घर-बाहर अनुशासित रहते हुए कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है। आप सभी के लिए बहुत जरूरी सलाह।

{ कवर स्टोरी / रजनी अरोड़ा }

वर्तमान डिजिटल युग में वर्चुअल दुनिया की लत, नई महामारी के रूप में तेजी से उभर रही है। जिसके विभिन्न प्लेटफॉर्मों के मोहपाश में अमूमन हम सभी बंधे हुए हैं। जेन-जी कहलाने वाली युवा पीढ़ी तो रियल वर्ल्ड के बजाय आर्टिफिशियल रील वर्ल्ड में घूम रही है। सोशल मीडिया पर वायरल होने, ख्याति पाने, फॉलोअर्स बढ़ने और पैसा कमाने की मंशा से रोज कंटेंट क्रिएट करने या फन रील्स बनाने की रैट रेस में शामिल हैं। इसके चलते न सिर्फ अभद्र आचरण, बल्कि अमर्यादित भाषा-डांस का भी सहारा लेते हैं। यही नहीं कई बार खुद अपनी और दूसरों की जान भी खतरे में डालने से गुरेज नहीं करते हैं। इसी वजह से आए दिन सोशल मीडिया को लेकर कई दुखद खबरें सुर्खियों में रहती हैं। ऐसे में डिजिटल एडिक्शन से बचने के लिए प्रभावी कदम उठाने जरूरी हैं।

बर्बाद होता है कीमती समय गौर करें तो अधिकांश सोशल मीडिया रील्स में कोई तर्क, तथ्य नहीं होता है। स्वस्थ और मर्यादित मनोरंजन भी नहीं होता। लेकिन इनकी लत ऐसी है कि लाखों-करोड़ों लोगों का कीमती वक्त रील्स देखने में गुजर जाता है। असल में टेक्नीक बेस्ड सोशल मीडिया कंपनियों का एल्गोरिदम, व्यूअर्स को खुद से जोड़े रखने के लिए पसंद के मुताबिक रील्स एक के बाद एक दिखाता रहता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में इंस्टाग्राम के लगभग 240 करोड़ यूजर्स हैं, जिनमें से तकरीबन 50 करोड़ भारत में हैं। जो रोजाना तकरीबन 1 करोड़ 76 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं और 350 करोड़ रील्स दूसरों से शेयर करते हैं। टिकटॉक पर तो यह आंकड़ा 10 गुना ज्यादा है यानी रोजाना 19 करोड़ 78 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं। वहीं मेटा के हिसाब से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर रोज तकरीबन 20 हजार करोड़ रील्स देखी जाती हैं।

क्या होता है असर: बहुत ज्यादा रील्स देखने से हमारे ब्रेन में डोपामाइन का विस्फोट होता है। यह एक न्यूरोट्रांसमीटर है, जो हमारी हैप्पीनेस के लिए जिम्मेदार है और यह रिवार्ड सिस्टम की तरह काम करता है। लाइक्स, ज्यादा से ज्यादा व्यूअर, फॉलोअर और सब्सक्राइबर मिलने से डोपामाइन बढ़ जाता है। यह और ज्यादा रील्स देखने के लिए मजबूर करता है। वहीं आपकी पोस्ट पर अगर ज्यादा लाइक्स या अच्छे कमेंट्स नहीं मिलते, तो हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं, खुद को दूसरे से कमतर समझने लगते हैं और नेगेटिविटी का शिकार हो जाते हैं।

रिश्तों से बढ़ रही दूरी: रील बनाने के जुनून ने युवाओं की सोच और जीवनशैली पर गहरा असर डाला है। रील्स न बनाने वाले को आजकल पुराने जमाने या जेन एक्स की सोच वाला माना जाता है। ऐसे लोग वास्तविक जीवन में सार्थक बातचीत और अनुभवों को साझा करने के बजाय सोशल मीडिया में लगे रहते हैं। जिसके चलते वे अपने रिश्ते-नातों, अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ रहे हैं। सामाजिक अलगाव, तनावपूर्ण रिश्ते और वास्तविक दुनिया में सामाजिक मेलजोल में कमी आ रही है।

बढ़ रही हैं शारीरिक समस्याएं: खेलने या फिजिकल एक्टिविटी करने के बजाय घर की चारदीवारी में मोबाइल या टैब पर घंटों बैठे रहते हैं। आउटडोर गेम्स खेलने से दूर होते जा रहे हैं। गतिहीन जीवनशैली की वजह से मोटापा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो रही हैं। आंखों में तकलीफ होती है, ड्राई आई विजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गलत पोश्चर में काम करने से गर्दन और पीठ में दर्द की शिकायत रहती है। स्क्रीन से निकलने वाली ब्ल्यू रेज से नींद में खलल पड़ सकता है, नींद की क्वालिटी प्रभावित होती है।

ऐसे छूटेगी रील एडिक्शन: सोशल मीडिया की लत, उसके नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए एक सुरक्षित और अधिक सकारात्मक ऑनलाइन वातावरण को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

स्क्रीन टाइम सीमित रखें: जानें कि आप अपने डिवाइस का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं और इससे आप क्या हासिल करना चाहते हैं? मैच्योर माइंड से दिन में टाइम लिमिट निर्धारित करें। दृढ़ संकल्प लें कि सोशल मीडिया का उपयोग कम से कम करना है। दिनचर्या नियत करें, जिसमें सोशल मीडिया के लिए नियत समय या एकाध घंटा निर्धारित करें। खुद के लिए समय निकालें। सभी फैमिली मेंबर्स खुद से कमिट करें कि उन्हें कुछ मिनट या अधिकतम आधे घंटे स्क्रीन देखना है।

डिजिटल लिट्रेसी है जरूरी: पैरेंट्स के लिए डिजिटल दुनिया की उपयोगिता, डिजिटल-स्पेस, इंटरनेट की अच्छाइयों, बुराइयों को जानना जरूरी है। ध्यान रखना चाहिए कि बच्चे किसी गेमिंग या गेंबलिंग एप का हिस्सा न बन रहे हों। बच्चों में रियल लाइफ के रिश्तों और रील लाइफ की आभासी दुनिया और सही-गलत में अंतर करने की समझ विकसित करनी चाहिए। डिजिटल गैजेट्स टाइम पास या गेम खेलने के बनिस्पत बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयोग में लाना सिखाना चाहिए।

इसके अलावा पैरेंट्स की जिम्मेदारी बच्चों को सिर्फ अच्छी सुख-सुविधाएं देना ही नहीं हैं, अनुशासन, कानून का सम्मान और जिम्मेदारी सिखाना भी है। बच्चों को यह समझाना भी है कि सोशल मीडिया पर हिट होने के लिए अपनी या किसी दूसरे की जिंदगी को खतरे में न डालें।

स्कूलों में हो डिजिटल एजुकेशन: फिजिकल एजुकेशन की तरह डिजिटल एजुकेशन भी कंपल्सरी होनी चाहिए। बच्चों को सोशल मीडिया की लत के नुकसान हैं, इनको देखने में खराब होते टाइम के बारे में समझाया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में डिजिटल सिटिजनशिप प्रोग्राम की शुरुआत करनी चाहिए। जिसमें छात्रों को ऑनलाइन सुरक्षा, नैतिकता और सकारात्मक डिजिटल फुटप्रिंट बनाए रखने के महत्व के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। बच्चों को जिम्मेदार सोशल मीडिया के उपयोग और ऑनलाइन शिष्टाचार पर मार्गदर्शन के साथ-साथ अनुचित सामग्री साझा करने के परिणामों के बारे में जानकारी देनी चाहिए।

माइंडफुल प्रैक्टिस है जरूरी: उन ट्रिगर्स से अवगत रहें, जो रील के अत्यधिक उपयोग का कारण बनते हैं। डिजिटल गैजेट्स का समझदारी से उपयोग करें। ताकि प्रोडक्टिव रहें और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखें।

करें सेल्फ कंट्रोल एक्सरसाइज: अपना फोन अपने से 15 फीट दूर चार्ज करें और संभव हो तो आप जिस रूम में हों, वहां चार्ज न करें। यह डिस्टेंस आपको फोन से अलग काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। फोन में फालतू के एप्स खासकर सोशल मीडिया का नोटिफिकेशन बंद कर दें। घर में कुछ जगह नियत करें जहां फोन का इस्तेमाल नहीं करना है जैसे खाना खाते समय, काम के समय या पढ़ते समय।

दूसरी एक्टिविटीज में हों शामिल: पैरेंट्स को बच्चों का रोल मॉडल बनना चाहिए। सोशल मीडिया पर निर्भरता कम करने के लिए ऑफलाइन शौक विकसित करने चाहिए और फिजिकली एक्टिव रहना चाहिए। खासकर बच्चे को फिजिकल एक्टिविटीज करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। स्पोर्ट्स से वो हार-जीत की भावना तो सीखता ही है, शारीरिक, मानसिक तौर पर फिट रहता है।

नींद को महत्व दें: सोने का समय निर्धारित करें और सोने से करीब एक घंटा पहले स्क्रीन से दूर रहें। ब्ल्यू लाइट फिल्टर का इस्तेमाल करें। खासकर रात को स्क्रीन पर ब्ल्यू लाइट फिल्टर लगाएं। ताकि नींद न आने की समस्या से बचाव हो सके।

लें मदद: लत पर काबू पाने के लिए मार्गदर्शन और मदद के लिए दोस्तों, परिवार या मनोचिकित्सक से संपर्क करें। *

(फोर्टिस एस्कॉर्ट हार्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली में साइकोलॉजिस्ट डॉ. भावना बर्मी से बातचीत पर आधारित)

मनोरोगों के हो रहे शिकार

आज के दौर में युवाओं के मन में दूसरों से पीछे न रह जाएं, आउटडेटेड न दिखें, टेकसेवी न कहे जाने की मानसिकता के चलते सोशल मीडिया पर फोटो या रील्स डालने का पियर प्रेशर रहता है। इसकी वजह से कई तरह की समस्याएं आती हैं। ध्यान में कमी, रील्स देखने से ध्यान और एकाग्रता में कमी होना, जरूरी काम या रचनात्मक गतिविधियों में ध्यान न लगा पाना, काल्पनिकता में जीना, दूसरों से तुलना करना और खुद को कमतर मानना, आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याएं देखी जा रही हैं। हॉर्वर्ड मेडिकल स्कूल की रिसर्च के मुताबिक सोशल मीडिया पर रील्स देखने या बनाने की लत को वैज्ञानिक मास साइकोजेनिक इलनेस कहा जा रहा है। रील्स उन्हें मनोरोगी बनाने का कारण रही है। किसी से अपने मन की बात शेयर नहीं कर पाते हैं, जिसकी वजह से उनमें स्ट्रेस, एंजाइटी, आक्रोश, गुस्सा बहुत बढ़ रहा है। नाकाम होने पर कई बार अपने को संभाल नहीं पाते और डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं।

इस बात में संदेह नहीं कि एआई तकनीक में कई तरह कमाल की क्षमताएं मौजूद हैं। जहां कुछ लोग इसका मिसयूज कर रहे हैं। वहीं बहुत से लोग इसे पॉजिटिव तरीके से यूज करके नाम कमा रहे हैं, अपने जीवन को नई दिशा दे रहे हैं। जरूरत है एआई के संयमित और सही तरीके से उपयोग करने की।

एआई का पॉजिटिव यूज कर सकता है कमाल

{ टेक्नोलाइफ / डॉ. मोनिका शर्मा }

आमतौर पर एआई के गलत इस्तेमाल के समाचार आते हैं। इसकी गलत सलाहों की भी खूब चर्चा होती है। हम सदा से सुनते आए हैं कि किसी भी वस्तु या सेवा की अच्छाई या उसके उपयोग के परिणाम इस बात से तय होते हैं कि उसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है? उसके उपयोग की मंशा क्या है? इस मोर्चे पर एआई के सही इस्तेमाल को लेकर एक टेक प्रोफेशनल हसन ने प्रेरणादायी उदाहरण सामने रखा है। हसन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की अपनी पोस्ट में बताया कि उन्होंने सिर्फ तीन महीनों में 27 किलो वजन कम कर लिया। ध्यान देने वाली बात है कि अपनी इस फिटनेस यात्रा में हसन ने चैट जीपीटी के सात प्रॉम्प्ट्स को यूज किया। जिम, सप्लीमेंट्स, पर्सनल ट्रेनर और बिना किसी महंगे फिटनेस एप के एआई की सहायता से एक सधा हुआ प्लान तैयार कर इस फिटनेस गोल को उन्होंने हासिल किया।

सकारात्मक हो इरादा: असल में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल का इरादा पॉजिटिविटी लिए हो तो परिणाम भी सकारात्मक मिलते हैं। इस मोर्चे पर यूजर्स का अनुशासन और आत्म नियमन तकनीक के मिली सुविधाओं का सार्थक इस्तेमाल करने के लिए आवश्यक है। चैट जीपीटी जैसे टूल्स मोटिवेट भी कर सकते हैं और मनोबल भी तोड़ सकते हैं। सब कुछ इस बात पर निर्भर है कि टेक्निकल सहूलियत का उपयोग कितने सधेपन से हो रहा है? कैसी जानकारियां मांगी जा रही हैं? किन विषयों पर सलाह ली जा रही है?

प्रश्न सही तो उत्तर सही: जैसा प्रश्न वैसा ही जवाब। यह बात वर्चुअल या असल सलाहों के मामले में अकसर लागू होती है। तकनीकी टूल्स के मामले में सबसे अहम यही है कि आप उनसे क्या पूछ रहे हैं? टेक प्रोफेशनल के मामले में यह बात गहराई से समझने योग्य है। सबसे पहले उन्होंने अपना वजन, उम्र, हाइट और टार्गेट डालकर चैट जीपीटी से अपने शरीर का एनालिसिस करवाया। साथ ही 12 हफ्तों का ऐसा फिटनेस और डाइट प्लान मांगा, जिसमें जिम जाने की जरूरत न पड़े। अपने रुटीन को ध्यान रखते हुए बहुत व्यावहारिक लक्ष्य रखे। खाने के लिए हाई प्रोटीन, फिक्स कैलोरी वाला साप्ताहिक प्लान का चार्ट बनाकर उसे फॉलो किया।

इस पहल पर एआई ने उन्हें डेली स्नैक्स की लिस्ट दी। इतना ही ओवरईटिंग रोकने के लिए खुद से बात करने वाले छोटे-छोटे मैसेज भी बनाए। कुल मिलाकर देखा जाए तो एआई ने जिम, महंगे खाने और भारी-भरकम रुटीन के बजाय एक ऐसी जीवनशैली का प्रारूप दिया, जिसके हिसाब से चलना मुश्किल न हो। आम जिंदगी में भी देखने में आता है कि वजन कम करना हो या कोई दूसरा लक्ष्य पाना, मुश्किल रुटीन को शुरू करने वाले लोग उसे बहुत दिन तक फॉलो नहीं कर पाते। यह वाकया बताता है कि पहले खुद अपनी एक चेकलिस्ट बनाकर तकनीकी टूल्स से मदद लेना बेहतर है। इससे मिलने वाली सही और टिकाऊ योजना न केवल लंबी चलती है बल्कि सफल भी होती है।

यूजर्स का अनुशासन अहम: एआई के इस्तेमाल में यूजर्स का अनुशासन सबसे अहम है। इन दिनों 'रेस्पोंसिबल एआई' शब्द भी चर्चा में है। इस शब्द का अर्थ उन नैतिक सिद्धांतों और शासन के नियमों से जुड़ा है, जिनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई टेक्नोलॉजीज का विकास और उपयोग इस तरह से किया जाए, जिससे समाज को लाभ हो। इनके इस्तेमाल से नुकसान कम हो। समझना कठिन नहीं यूजर्स का अनुशासन ही उपयोग को सार्थक बना सकता है। इन दिनों जब एआई के कुछ टूल्स का गलत इस्तेमाल कुछ लोग करते हैं। वहीं बहुत से लोग तकनीक के माध्यम से अपने पुरखों की तस्वीरों को नया रूप भी दे रहे हैं। अपने आइडियाज सुंदर सकारात्मक संदेश देने वाले वीडियो में ढाल रहे हैं। एआई के उपकरण दिव्यांगों की सहायता करते हैं। सिरी और एलेक्सा जैसे वर्चुअल असिस्टेंट रोजमर्रा के कई कामों को आसान बनाते हैं। कनाडा के युवा उद्यमी तुआन ले का उदाहरण भी इस मामले में एक मिसाल ही है। बिना किसी कॉलेज डिग्री या प्रोफेशनल कोर्स यूट्यूब से स्किल सीखने की जिद ने तुआन को एक कामयाब उद्यमी बना दिया। वीडियो एडिटिंग से करियर की शुरुआत करने वाले इस युवा ने यह स्किल पूरी तरह यूट्यूब से सीखी। फिर छोटे कारोबारियों के लिए बहुत कम फीस लेकर वीडियो बनाए।

कोविड काल में काम पर असर भी पड़ा पर फिर क्लाइंट बढ़ते गए। तुआन ने धीरे-धीरे अपने काम को 12 करोड़ रुपए के बिजनेस में बदल दिया। हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी 'स्किल द नेशन एआई चैलेंज' कार्यक्रम में कहा कि 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्वभर की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को नया आकार दे रही है। यह हमारे सीखने, काम करने, आधुनिक सेवाओं तक पहुंचने और मानवता की सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना करने के तरीकों को बदल रही है।'

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत जैसे युवा राष्ट्र के लिए एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि सकारात्मक बदलाव का बहुत बड़ा अवसर है। *

{ कविता / विक्रम सिंह }

आंखों की रोशनी

बस इतनी सी हसरत थी
कि बेटा पढ़-लिख जाए,
अपनी तनख्वाह से
घर का राशन ले आए।
दफ्तर जाने को
एक छोटा सा स्कूटर हो,
और बच्चों की फीस
समय पर भर पाए।
ख्वाब बस इतना था
कि शहर में उसका एक घर हो,
जिसके एक कोने में
बूढ़े बाप का छोटा सा कमरा हो।
मगर अब उसके पास
बड़ा फ्लैट, बड़ी गाड़ी है,
घर में खाना नहीं पकता
सब कुछ ऑर्डर पर आता है
पर उस आलीशान घर में
मेरा कमरा कहीं खो जाता है,
गाड़ियों के तेल के लिए पैसे हैं
पर मेरी दवा अकसर छूट जाती है
मेरी आंखों की रोशनी
धीरे-धीरे बुझ रही है,
बेटे की तरक्की
अंधेरे में उलझ रही है।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविता में विचार

हाल में हेमंत देवलेकर का तीसरा कविता संग्रह 'प्रूफ रीडर' छपकर आया है। संग्रह में संकलित अधिकांश छोटी-छोटी कविताओं में हेमंत गहन विचारों के बीज रोपते दिखते हैं। दुनिया भर में इंसानी जीवन के समक्ष मौजूद संकटों पर दृष्टि डालते हुए कवि कहीं विचलित दिखते हैं तो कहीं छोटा-सा कोई भरोसा उनके भीतर उम्मीद की लौ भी प्रज्वलित कर देता है। 'एक नदी जिंदा चुन दी गई है/उसी का सन्नाटा है दीवार पर।' (रेत की हवस)। 'दुनिया कोरस में विलापती है/अब किसी का भरोसा नहीं रहा।' (भरोसा) जैसी पंक्तियां और 'लोरी', 'नई भूख' जैसी अनेक कविताएं हर संवेदनशील व्यक्ति को उद्वेलित करने में सक्षम हैं। *

पुस्तक: प्रूफ रीडर, लेखक: हेमंत देवलेकर, मूल्य: 250 रुपए
प्रकाशक: राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

{ साहित्य सम्मान }

हाल में ही साहित्य अकादेमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की लोकप्रिय कथाकार ममता कालिया की संस्मरणात्मक पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देने की घोषणा की है। ममता जी के अब तक के रचनात्मक लेखन और इस पुस्तक की विशिष्टताओं को रेखांकित कर रहे हैं **पल्लव।**

ममता कालिया को जीते जी इलाहाबाद के लिए मिलेगा साहित्य अकादेमी सम्मान

साहित्य प्रेमियों को जिस खबर का पिछले कई वर्षों से इंतजार था, वह आ गई। साहित्य अकादेमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की प्रसिद्ध कथाकार ममता कालिया को यह पुरस्कार देने की घोषणा की है। उनकी संस्मरण पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को अकादेमी का यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। हालांकि इससे पूर्व उनके उपन्यास 'दुक्खम सुक्खम', लंबी कहानी 'दौड़', शहरनामे की किताब 'कितने शहरों में कितनी बार' और 'बोलने वाली औरत' कहानी संग्रह को भी साहित्य जगत में काफी प्रतिष्ठा मिल चुकी है।

ममता जी के लेखन का सिलसिला 1963 से प्रारंभ हुआ था और तब से उनका साहित्य सृजन निरंतर जारी है। उनके लेखन की मुख्य विशेषता यह है कि वे भारतीय मध्यवर्ग के सामान्य जनजीवन को अत्यंत कुशलता से अपने लेखन में चित्रित करती हैं। वे किसी विचारधारा या वाद से आक्रांत होकर नहीं लिखतीं बल्कि खांटी जीवनानुभवों को प्रगतिशील दृष्टि से लेखन में जगह देती हैं। आश्चर्य नहीं कि उनकी दो पुस्तकों के शीर्षक 'थोड़ा-सा प्रगतिशील' और 'खांटी घरेलू औरत' उनके लेखन की प्रतिज्ञाओं को भी दर्शाते हैं। पेशे से उच्च शिक्षा में अंग्रेजी की शिक्षक रहीं ममता जी को दिल्ली, मुंबई और इलाहाबाद में काम करने के अनुभव हैं। वे वर्धा के महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की अंग्रेजी पत्रिका 'हिंदी' की संपादक रहीं और कोलकाता की भारतीय भाषा परिषद की अध्यक्ष भी रहीं। विपुल मात्रा में लेखन करने वालीं ममता जी के गद्य को सदैव रोचकता, हार्दिकता और तरलता के लिए भी प्रशंसा मिली।

उनकी जिस कृति को अकादेमी ने पुरस्कार के लिए चुना है, वह संस्मरण की किताब है। ममता जी इससे पहले 'कितने शहरों में कितनी बार', 'अंदाज-ए-बयां उर्फ रवि कथा', 'कल परसों के बरसों', 'सफर में हमसफर' जैसी किताबें भी लिख चुकी हैं, जो कथेतर विधाओं की ही कृतियां हैं। कथेतर यानी कथा जैसी वे गद्य विधाएं, जो कथा तो नहीं हैं लेकिन कथा जैसा आस्वाद देती हैं। इनमें से 'कितने शहरों में कितनी बार' को विशेष रूप से आलोचनात्मक सराहना मिली, जो पहले 'तद्भव' पत्रिका में

धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुई और जिसने एक तरह से नई विधा का सूत्रपात किया। यह विधा है-शहरनामा। ऐसा नहीं है कि इसमें वे स्मृतियों की पुनर्रचना नहीं कर रही थीं बल्कि कोई चाहे तो इसे भी संस्मरण की ही कृति मान सकता है लेकिन यहां ममता जी का जोर उस शहर के चरित्र को ध्यान में रखकर अपने अनुभव लिखने पर रहा। 'जीते जी इलाहाबाद' इस रचना श्रृंखला की उच्चतम परिणति है, जहां इलाहाबाद (प्रयागराज) जैसे सांस्कृतिक शहर के चरित्र को लिखते हुए इसके भीतर वे अपने और अपने प्रियजनों के व्यक्तित्व की तलाश भी करती हैं। हिंदी में इस तरह की कृतियां बहुत अधिक नहीं मिलतीं और नई शताब्दी में साहित्य की विधाओं में आ रहे बदलावों तथा अंतर्क्रियाओं का भी श्रेष्ठ उदाहरण ममता जी का कथेतर लेखन बन गया है। पाठकों में कथेतर के आकर्षण का मुख्य कारण है जीवन यथार्थ की अंतरंग प्रस्तुति और उसमें कथा जैसी सूत्रबद्धता या पठनीयता। हिंदी गद्य के इतिहास में संस्मरण, रेखाचित्र और जीवनियां पुरानी विधाएं हैं लेकिन नई शताब्दी में इनका चोला पूरी तरह बदला हुआ नजर आता है। अब यहां अश्रु विगलित श्रद्धांजलियां नहीं होतीं और न पुरखों का अतिरिक्त महिमामंडन।

पिछली शताब्दी के अंतिम दशक में जिन कृतियों के साथ कथेतर साहित्य के नए दौर का आगमन हुआ, उनमें रवींद्र कालिया की संस्मरण पुस्तक 'गालिब छुटी शराब,' काशीनाथ सिंह की 'याद हो कि न याद हो', दूधनाथ सिंह की 'लौट आ, ओ धार' तथा कांतिकुमार जैन की 'लौट कर आना नहीं होगा' अग्रगण्य हैं। ध्यान देना चाहिए कि संस्मरणों के साथ हिंदी साहित्य में आत्म उद्घाटन का नया दौर भी शुरू हुआ, जो आगे यात्रा आख्यानों, आत्मकथाओं, डायरियों, रेखाचित्रों, शहरनामों और जीवनियों के साथ बढ़ता गया। ममता कालिया के संस्मरण, शहरनामे और रेखाचित्र कथेतर विधाओं की शक्ति और संभावनाओं को दर्शाते हैं। उनके रेखाचित्रों की किताब 'कल परसों के बरसों' में इलाहाबाद के अनेक साहित्यकारों के व्यक्ति चित्र आए हैं।

ममता जी का जन्म 2 नवंबर 1940 को वृंदावन में हुआ। उनके पिता विद्याभूषण अग्रवाल आकाशवाणी में थे और उनके चाचा भारतभूषण अग्रवाल जाने माने कवि-लेखक। उनकी प्रारंभिक और उच्च शिक्षा दिल्ली, मुंबई, पुणे, नागपुर और इंदौर जैसे अलग-अलग शहरों में हुई। उन्हें अनेक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें व्यास सम्मान, साहित्य भूषण सम्मान, यशपाल स्मृति सम्मान, महादेवी स्मृति पुरस्कार, राममनोहर लोहिया सम्मान, कमलेश्वर स्मृति सम्मान, सावित्री बाई फुले स्मृति सम्मान, लमही सम्मान आदि प्रमुख हैं। उन्होंने हिंदी के यशस्वी कथाकार और संपादक रवींद्र कालिया से विवाह किया, जो पूरी तरह मसिजीवी थे। संघर्षों से भरा ममता जी और रवींद्र जी का जीवन इन दोनों के कथेतर साहित्य का आधार भी है। साहित्य अकादेमी का यह पुरस्कार उनके लेखन के महत्त्व की प्रतिष्ठा ही नहीं है अपितु नई शताब्दी में आ रहे बदलावों के मध्य कथेतर विधाओं के महत्व की भी उद्घोषणा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि ममता जी की किताब के बहाने कथेतर विधाओं पर नए ढंग से चर्चा शुरू होगी और जीवन यथार्थ के उद्घाटन के लिए इनके सामर्थ्य को देखा-सराहा जाएगा। *

(लेखक दिल्ली के प्रसिद्ध हिंदू कॉलेज में सह आचार्य हैं)

जम्मू-कश्मीर में स्थित माता वैष्णो देवी का मंदिर सनातन धर्मावलंबियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यूं तो इस शक्तिपीठ में साल भर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है, लेकिन नवरात्र के दौरान माता रानी के दर्शन की महत्ता और भी बढ़ जाती है। इस धार्मिक स्थल की विशिष्टताओं और इससे जुड़ी धार्मिक मान्यताओं पर एक दृष्टि।

श्रद्धा-भक्ति का अद्वितीय स्थल
माता वैष्णो देवी मंदिर

{ आस्था / वीना गौतम }

सालों में शुरू हुए रोपवे सुविधा के जरिए श्रद्धालु पहुंचते हैं। वैष्णो देवी मंदिर भारत के सबसे अधिक दर्शनीय और व्यवस्थित तीर्थस्थलों में गिना जाता है।

हालांकि नवरात्र के पावन अवसर पर 51 शक्तिपीठों में से हर शक्तिपीठ में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ता है। इस अवसर पर मां वैष्णो देवी मंदिर में भक्तों का उत्साह देखते ही बनता है। कह सकते हैं कि नवरात्र के समय यह राष्ट्रीय आस्था का सबसे स्पंदित केंद्र बन जाता है। ऐसा क्यों होता है, इसे समझने के लिए हमें वैष्णो देवी मंदिर से जुड़ी मान्यताओं, धार्मिक आस्थाओं और इसकी दिव्य भौगोलिक संरचना के बारे में समझना होगा।

जुड़ी हैं पौराणिक मान्यताएं

जम्मू-कश्मीर के कटरा से लगभग 12-13 किलोमीटर ऊपर की तरफ त्रिकूट पर्वत पर लगभग 5200 फीट की ऊंचाई पर स्थित मंदिर में मां वैष्णो देवी तीन पिंडियों (महाकाली, महालक्ष्मी, महासरस्वती) के रूप में विराजमान हैं। इस मंदिर की बहुआस्था का कारण इसकी पौराणिक और आध्यात्मिक मान्यता है। माना जाता है कि वैष्णो देवी मंदिर जिस त्रिकुटा पर्वत पर स्थित है, उसकी ही गुफा में देवी मां ने तपस्या की थी, साथ ही भैरवनाथ वध की कथा भी यहां की धार्मिक चेतना का केंद्र है।

नवरात्र में लगता है भक्तों का जमावड़ा

वैष्णो देवी मंदिर श्रद्धालुओं के आवक के हिसाब से देश के सबसे व्यस्त मंदिरों में से एक है। आमतौर पर इस मंदिर में हर साल 80 लाख से एक करोड़ के बीच लोग दर्शन के लिए आते हैं और इनमें करीब 30 से 40 प्रतिशत श्रद्धालु सिर्फ नवरात्र के समय ही आ जाते हैं, उनमें भी चैत्र नवरात्र पर विशेष रूप से सबसे ज्यादा भक्त यहां आते हैं। चैत्र नवरात्र चूंकि देवी शक्ति के जागरण का समय और देवी की उपासना का चरम काल माना जाता है। यही कारण है कि यह स्थान चैत्र नवरात्र के समय विशिष्ट आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बन जाता है।

चैत्र नवरात्र से हिंदुओं का नववर्ष प्रारंभ होता है। ऐसे में यह समय सिर्फ पूजा का नहीं बल्कि नए संकल्पों का समय भी होता है। देशभर में जब घर-घर में इन दिनों घट स्थापना होती है, तब उसका राष्ट्रीय प्रतिरूप वैष्णो देवी मंदिर के रूप में दिखता है। उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्र में स्थित यह मंदिर उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम, देश की सभी दिशाओं को आपस में जोड़ता है। जब देश के कोने-कोने से लाखों लोग आस्था के इस हृदय स्थल तक पहुंचते हैं, तब यह तीर्थस्थल भर नहीं रह जाता बल्कि राष्ट्रीय समावेशन का इंद्रधनुषी दृश्य बन जाता है।

पूर्ण होती हैं मनोकामनाएं

चैत्र नवरात्र के समय यहां आने वाले अधिकांश श्रद्धालु नए वर्ष की शुरुआत के मनोभाव से आते हैं और अपनी किसी मनोकामना या आकांक्षाओं की पूर्ति की कामना करते हैं। यहां आने वाले आस्थावान हिंदू अपने जीवन के हर संकट का समाधान खोजने के लिए मां से विनती करते हैं। नवरात्र के दौरान विशेष रूप से वैष्णो देवी मंदिर के समूचे परिक्षेत्र में विशिष्ट आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रवाह रहता है। देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालुओं की आस्था और मनोकामना-पूर्ति का विशिष्ट केंद्र बनकर उभरता है मां वैष्णो देवी मंदिर।

मंदिर तक पहुंचने के हैं कई विकल्प

वैष्णो देवी मंदिर का प्रबंधन वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड करता है। यहां पैदल, घोड़ा, पालकी, हेलीकॉप्टर और हाल के सालों में शुरू हुए रोपवे सुविधा के जरिए श्रद्धालु पहुंचते हैं। वैष्णो देवी मंदिर भारत के सबसे अधिक दर्शनीय और व्यवस्थित तीर्थस्थलों में गिना जाता है।

डिजिटल दर्शन की सुविधा

इस डिजिटल मीडिया युग में मां वैष्णो देवी मंदिर की जगमगाहट कुछ और ही निखरकर देश के कोने-कोने तक अपना उजास पहुंचा रही है। मंदिर का लाइव दर्शन, सोशल मीडिया ट्रेंड, ऑनलाइन पंजीकरण और डिजिटल कतार प्रबंधन में भी देखा जा सकता है। चैत्र नवरात्रों में यह मंदिर एक राष्ट्रीय इवेंट सेंटर की तरह उभरता है। इस दौरान देशभर के कई टीवी चैनल वैष्णो देवी मंदिर की कवरेज जरूर करते हैं।

अर्थव्यवस्था में योगदान

चूंकि कटरा और उसके आस-पास का क्षेत्र हमेशा मंदिर के तीर्थयात्रियों से भरा होता है, इसलिए इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति बेहद संपन्न है और जम्मू-कश्मीर की संपन्नता में भी इस मंदिर की एक विशिष्ट भूमिका है। नवरात्र के समय और बाकी समय भी होटल, ट्रांसपोर्ट, स्थानीय व्यापार, सब उच्चतम स्तर तक पहुंच जाते हैं। स्थानीय लोगों को हर समय यहां रोजगार उपलब्ध रहता है। इसलिए वैष्णो देवी मंदिर सिर्फ धार्मिक आस्था का ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक गतिविधि का भी एक सचल केंद्र बनकर उभरता है।

संगठित-प्रबंधित शक्तिपीठ

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार 51 शक्तिपीठ हैं, जिनमें से कुछ पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका देशों में स्थित हैं। संगठन और प्रबंधन की दृष्टि से देखा जाए तो वैष्णो देवी मंदिर को सबसे संगठित और प्रबंधित शक्तिपीठ माना जाता है। इस वजह से भी यह विशेष रूप से उत्तर भारत के मध्यवर्गीय और ग्रामीण लोगों की धर्म और संकल्प यात्रा का केंद्र बन जाता है।

वैष्णो देवी मंदिर हर सनातन धर्म के अनुयायी के धार्मिक मानस में स्थापित है। साल भर खुला रहने वाला और कठिन पर्वतीय यात्रा का अनुभव देने वाला यह मंदिर सामूहिक संकल्प और तपस्या का प्रतीक भी है। चैत्र नवरात्र के समय ये सब चीजें एक साथ सक्रिय होती हैं। इसलिए भक्तों के मन में इसका विशिष्ट स्थान है। *

वैसे तो अपने देश में शक्तिपीठों समेत मां दुर्गा के कई प्रसिद्ध मंदिर स्थित हैं। इनमें से कुछ ऐतिहासिक और अनोखे मंदिर भी हैं। कोलकाता के काशीपुर में स्थित चित्तेश्वरी सर्वमंगला मंदिर भी इनमें शामिल है। इस मंदिर की महत्ता पर एक नजर।

ऐतिहासिक-अनोखा है
चित्तेश्वरी सर्वमंगला मंदिर

{ धार्मिक स्थल / शिखर चंद जैन }

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के काशीपुर में स्थित चित्तेश्वरी सर्वमंगला मंदिर 600 वर्ष से भी अधिक पुराना है। यह मंदिर शहर के सबसे पुराने दुर्गा मंदिरों में से एक है। भक्तों की आस्था के केंद्र इस मंदिर से कई ऐतिहासिक तथ्य और किंवदंतियां जुड़ी हुई हैं। यह मंदिर सुबह 6:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और शाम 4:30 बजे से 9:00 बजे तक रोजाना खुला रहता है।

मंदिर का निर्माण

कहते हैं कि यह मंदिर मूल रूप से अपराध की दुनिया से समाज की मुख्य धारा में लौटे एक डाकू, चित्ते डकैत द्वारा बनवाया गया था। इस डकैत को सपने में नीम की लकड़ी से देवी दुर्गा की प्रतिमा बनाने का आदेश प्राप्त हुआ था। यह मूर्ति आज भी मंदिर में विद्यमान है। चित्ते की मृत्यु के बाद मंदिर को कई वर्षों तक लगभग भुला दिया गया। सन 1586 में एक साधु नरसिंह ब्रह्मचारी ने इसे फिर से खोजा और 1610 में मनोहर घोष ने इसे दोबारा बनवाया, जो वर्तमान रूप में मौजूद है। मंदिर की देखभाल की जिम्मेदारी बाद में रॉय चौधुरी परिवार को सौंपी गई, जो आज भी इसका प्रबंधन करते हैं। वर्तमान में, काशीश्वर रॉय चौधुरी मंदिर के प्रबंधन की देख-रेख करते हैं।

ऐतिहासिक-सांस्कृतिक महत्व

चित्तेश्वरी सर्वमंगला मंदिर का बहुत अधिक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है। देखा जाए तो इस मंदिर का इतिहास कोलकाता से भी पुराना है, क्योंकि कोलकाता की आधिकारिक स्थापना से कई दशक पूर्व इस मंदिर की स्थापना हो गई थी। यह मंदिर कोलकाता के प्रारंभिक इतिहास और स्थानीय लोककथाओं का हिस्सा रहा है, जो इसे एक अनोखा और रहस्यमय स्थल बनाता है। यह मंदिर डाकुओं द्वारा पूजे जाने के लिए भी जाना जाता है, जो आमतौर पर देवी काली की भक्ति करते थे।

मंदिर में मौजूद प्रतिमाएं

इस मंदिर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा नीम की लकड़ी से बनी है और इसमें 10 हाथ हैं। प्रतिमा में मां दुर्गा एक सफेद सिंह पर सवार हैं, जो महिषासुर को काट रहा है, उनके पास एक बाघ भी है, जो उस समय के जंगली वातावरण को दर्शाता है। हर साल इस प्रतिमा पर रंग-रोगन किया जाता है ताकि इसकी सुरक्षा और रख-रखाव सुनिश्चित हो सके। मंदिर में शीतला माता की प्रतिमा भी है। यहां मां दुर्गा के साथ ही बहुत बड़ी संख्या में श्रद्धालु, शीतला माता की पूजा के लिए भी आते हैं। इनके अलावा इस मंदिर में कुछ अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं भी हैं। इनमें भगवान शिव, हनुमानजी, जगन्नाथजी, बलरामजी, सुभद्राजी, राधाजी और कृष्णजी के अलावा लोकनाथ बाबा की प्रतिमाएं भी शामिल हैं।

उत्कृष्ट वास्तुशिल्प

यह एक शांत प्रार्थना स्थल है, इस मंदिर का परिसर शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण प्रदान करता है। मंदिर की बाहरी दीवारों को पीले और लाल रंग से रंगा गया है। मंदिर का केंद्र एक विशाल नट मंदिर है, जो मां दुर्गा की प्रतिमा के सामने स्थित है। मंदिर के पिछले हिस्से में एक श्मशान है, जिसमें सदियों पुराना एक नीम का पेड़ है, जो किसी दौर में तांत्रिकों द्वारा उपयोग किया जाता था। लगभग 6800 वर्ग फीट के क्षेत्र में फैला यह मंदिर पारंपरिक बांग्ला मंदिर शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है।

नवरात्र में होती है विशेष पूजा

यहां दैनिक के साथ ही त्योहारों के दौरान विशेष पूजा उत्सव मनाए जाते हैं। नवरात्रों के दौरान मंदिर को भव्य तरीके से सजाया जाता है। इस दौरान भारी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में दर्शन करने आते हैं। *

{ उपयोगी पेड़ / वीना }

आर्थिक रूप से फायदेमंद
स्ट्रॉबेरी की खेती

दिखने में खूबसूरत, स्वादिष्ट, पौष्टिक और थोड़ा महंगा बिकने वाला स्ट्रॉबेरी फल का झाड़ीनुमा पेड़ आकार में छोटा होने के बावजूद किसानों के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद होता है।

स्ट्रॉबेरी के पौधे की विशेषताएं: इनके पौधे की ऊंचाई 6 से 8 इंच तक ही होती है। इसका वैज्ञानिक नाम फ्रैगेरिया अनानासा है। यह रोजेसी यानी गुलाब कुल का पौधा है। इसकी प्रकृति बहुवर्षीय है, लेकिन व्यवसायिक खेती में पौधे को हर दो या तीन साल में बदलना पड़ता है। एक पौधे से सामान्यतः 150 से 400 ग्राम तक फल मिलते हैं। इसके लिए ठंडी जलवायु, अनुकूल होती है। ठंडी रात और हल्की धूप इसकी मिठास को बढ़ाती है। स्ट्रॉबेरी के पौधे के लिए दोमट मिट्टी अच्छी होती है।

अपने देश में महाराष्ट्र के महाबलेश्वर, पुणे, सतारा, हिमाचल प्रदेश के शिमला, सोलन, उत्तराखंड के नैनीताल, देहरादून, कर्नाटक के चिकमंगलुरु, कोडागू, जम्मू-कश्मीर के बारामूला, पुलवामा समेत उत्तर पूर्वी राज्य मेघालय, नागालैंड में इसकी खेती होती है। हाल के सालों में मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार, पंजाब और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी छोटे स्तर पर स्ट्रॉबेरी की खेती के प्रयोग हुए हैं।

इन बातों का रखें ध्यान: स्ट्रॉबेरी की खेती से किसान अच्छी इनकम कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए खेती की सही योजना, सही तकनीक का इस्तेमाल और बाजार से सही तरह का कारोबारी जुड़ाव होना जरूरी है। स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए आदर्श तापमान 18 से 26 डिग्री सेंटीग्रेड होता है। पहाड़ी क्षेत्र, ऊंचे पठार और ठंडे मैदानी इलाके इसकी खेती के लिए सबसे उपयुक्त हैं। अगर आप गर्म और ह्यूमिड परिस्थितियों में स्ट्रॉबेरी खेती करना चाहते हैं, तो ग्रीन हाउस या पोली हाउस में ही यह संभव है। स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए उच्च गुणवत्ता वाले नर्सरी के रोगमुक्त पौधे होने जरूरी हैं। तभी बेहतर किस्म, बेहतर आकार, बेहतर रंग और मिठास की स्ट्रॉबेरी मिलती है। स्ट्रॉबेरी के लिए जरूरी है प्लास्टिक मल्चिंग और ड्रिप सिंचाई तकनीक अपनाई जाए। इससे नमी बनी रहती है, खरपतवार कम होते हैं और फल साफ और आकर्षक लगते हैं। साथ ही इससे उत्पादन 20 से 30 फीसदी बढ़ जाता है। स्ट्रॉबेरी से किसान भरपूर फायदा तभी उठा सकते हैं, जब वे महज ताजा फल बेचने तक सीमित न रहें बल्कि वैल्यू एडिशन के जरिए स्ट्रॉबेरी जैम, जूस/स्क्वैश, पल्प, फ्रोजन स्ट्रॉबेरी, आइसक्रीम व बेकरी को सप्लाई की जाए। क्योंकि प्रोसेसिंग के बाद स्ट्रॉबेरी अपनी फल वाली कीमत के 3 से 4 गुना महंगी हो जाती है। *

{ कला जगत / अंजू जैन }

रंगमंच यानी थिएटर मनोरंजन की सबसे पुरानी विधाओं में से एक है। प्राचीन काल से ही दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में किसी न किसी रूप में रंगमंच मौजूद रहा है। आज भी देश-दुनिया में अलग-अलग प्रकार की नाट्य विधाएं प्रचलित हैं। विश्व रंगमंच दिवस (27 मार्च) के अवसर पर इसके विभिन्न स्वरूपों पर एक नजर।

कला और मनोरंजन का
जीवंत स्वरूप है रंगमंच

रंगमंच यानी थिएटर न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह हमारी सभ्यता का प्रतिबिंब भी है। भारत में रंगमंच की जड़ें लगभग पांच हजार वर्ष पुरानी मानी जाती हैं, जो संस्कृति और परंपराओं से गहरी जुड़ी हुई हैं। इसका मूल ऋग्वेद के संवादों से माना जाता है। भारत ही नहीं विश्व के विभिन्न रंगमंच स्वरूप हमें यह सिखाते हैं कि भाषा या संस्कृति भले ही अलग हो, लेकिन मानवीय भावनाएं- प्रेम, क्रोध, भय और हास्य, पूरी दुनिया में एक जैसी हैं। हर साल 27 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व रंगमंच दिवस इसी विविधता और एकता का उत्सव है। हालांकि रंगमंच के क्षेत्र में बदलते दौर के साथ तकनीक एवं अन्य कई स्तरों पर बदलाव हुए हैं, लेकिन यह आज भी लोगों को खूब पसंद आता है।

पहला ग्रंथ और नाट्यशाला: रंगमंच से संबंधित पहला ग्रंथ भारत में ही लिखा गया। भरत मुनि द्वारा रचित 'नाट्यशास्त्र' को विश्व में नाट्यकला पर लिखा गया पहला औपचारिक ग्रंथ माना जाता है। भारतीय परंपराओं में 'नाट्यशास्त्र' को 'पंचम वेद' (पांचवां वेद) भी कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी कलाओं और ज्ञान का समावेशन है। छत्तीसगढ़ के रामगढ़ पहाड़ पर स्थित सीतावांगा गुफा को भारत का सबसे पुरानी नाट्यशाला यानी थिएटर माना जाता है। माना जाता है कि यहीं महाकवि कालिदास ने नाट्य परंपरा की शुरुआत की थी। इस तरह देखा जाए तो दुनिया की पहली नाट्यशाला की स्थापना भारत में ही हुई थी। भारतेंदु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी साहित्य और रंगमंच का जनक माना जाता है। भारत में प्राचीन और मध्यकालीन रंगमंच मुख्य रूप से रामायण, महाभारत और स्थानीय लोक गाथाओं पर आधारित होते थे।

मुंबई में स्थित पृथ्वी थिएटर

कई कलाओं का संगम: रंगमंच को एक समग्र कला माना जाता है क्योंकि इसमें पेंटिंग, डांस, संगीत और अभिनय जैसी कई विधाएं एक साथ शामिल होती हैं। थिएटर को 'जीवंत कला' भी कहा जाता है क्योंकि यह दर्शकों के सामने सीधे मंचित होता है। औपनिवेशिक काल के दौरान भारतीय कलाकारों ने थिएटर को ब्रिटिश शासन के खिलाफ राष्ट्रवाद फैलाने के माध्यम के रूप में भी इस्तेमाल किया था। भारत में 20 से अधिक क्षेत्रीय थिएटर शैलियां हैं, जैसे यक्षगान (कर्नाटक), जात्रा (बंगाल), भवाई (गुजरात) आदि। हमारे देश में नाटक के रामलीला, नौटंकी जैसे स्वरूप भी प्रचलित हैं।

विश्व प्रसिद्ध है जापान की नाट्यकला

कर्नाटक का नृत्य-नाट्य यक्षगान

भारतीय रंगमंच अकसर आदर्शवाद के करीब होता है, जबकि पश्चिमी थिएटर जीवन की कठोर वास्तविकता को दिखाने पर अधिक केंद्रित रहता है। 19वीं शताब्दी में पारसी थिएटर ने भारतीय और पश्चिमी शैलियों का मिश्रण पेश किया, जो आगे चलकर बॉलीवुड (हिंदी फिल्मों) के लिए आधार बना।

थिएटर और विद्यालय की स्थापना: बीसवीं सदी के चौथे दशक में पृथ्वीराज कपूर ने 'पृथ्वी थिएटर' की स्थापना की थी, जिसका उद्देश्य सामाजिक और राजनीतिक विषयों को मंच प्रदान करना था। आगे चलकर नई दिल्ली में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) की स्थापना हुई, जो भारत में रंगमंच की शिक्षा के लिए सबसे प्रतिष्ठित संस्थान माना जाता है। एनएसडी से ही ओम पुरी, इरफान खान और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे कई दिग्गज फिल्म एक्टर्स निकले हैं।

कुछ प्रसिद्ध-रोचक रंगमंच स्वरूप: पूरी दुनिया में रंगमंच के विविध रूप प्रचलित हैं। कुछ देशों के प्रसिद्ध और रोचक रंगमंच स्वरूपों के बारे में यहां बता रहे हैं।

नोह और काबुकी, जापान: जापान का नोह थिएटर अपनी सादगी और आध्यात्मिक गहराई के लिए जाना जाता है। इसमें कलाकार लकड़ी के मुखौटे पहनकर बहुत धीमी और नपी-तुली गति से अभिनय करते हैं। इसके विपरीत, काबुकी बेहद भव्य और ऊर्जावान होता है। इसमें कलाकार चटक मेकअप, भारी वेशभूषा और नाटकीय भाव-भंगिमाओं का उपयोग करते हैं, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देता है।

ओपेरा और कॉमेडिया डेल'आर्टे, इटली: इटली को ओपेरा का जन्मस्थान माना जाता है, जहां कहानी को संगीत और गायन के माध्यम से सुनाया जाता और मंचित किया जाता है। पुनर्जागरण काल का कॉमेडिया डेल'आर्टे भी विश्व प्रसिद्ध है, जिसमें कलाकार कुछ चरित्रों के मुखौटे पहनकर तात्कालिक संवाद बोलते हैं।

पेकिंग ओपेरा, चीन: यह गायन, संवाद, नृत्य और कलाबाजी का एक अद्भुत मिश्रण है। चीन में प्रचलित रंगमंच के इस प्रकार में कलाकारों का रंगीन मेकअप, उनके चरित्र (नायक, खलनायक या विदूषक) को दर्शाता है।

चीन का लोकप्रिय नाट्य रूप पेकिंग ओपेरा

वेयांग कुलित, इंडोनेशिया: यह छाया कठपुतली का एक प्राचीन रूप है, जो जावा और बाली द्वीपों में प्रचलित है। इसमें चमड़े की कठपुतलियों को प्रकाश के सामने रखकर पर्दे पर उनकी छाया से पौराणिक कथाएं प्रदर्शित की जाती हैं।

ब्रॉडवे, अमेरिका: अमेरिका के न्यूयॉर्क में स्थित ब्रॉडवे को म्यूजिकल थिएटर का गढ़ माना जाता है। यहां प्रदर्शित होने वाले 'द लॉयन किंग' और 'अलादीन' जैसे ड्रामा शोज अपनी तकनीकी भव्यता और मोहक संगीत के कारण दुनिया भर के पर्यटकों और नाटकप्रेमियों को आकर्षित करते हैं। *

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर }

इंफॉर्मेशन और डिस्ट्रैक्शन की भरमार वाले इस दौर में शांत रहना और सही निर्णय लेना एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे में ब्रेन मैनेजमेंट बहुत जरूरी हो गया है। क्या है ब्रेन मैनेजमेंट और यह आधुनिक जीवनशैली में क्यों आवश्यक है, जानिए।

आधुनिक जीवनशैली में जरूरी है ब्रेन मैनेजमेंट

आज का युग सिर्फ बेशुमार इंफॉर्मेशन का दौर ही नहीं है बल्कि यह सबसे अधिक डिस्ट्रैक्शन का दौर भी बन चुका है। एक औसत व्यक्ति दिन में चार से पांच घंटे मोबाइल स्क्रीन पर बिता रहा है और हर कुछ मिनट में उसका ध्यान किसी नोटिफिकेशन, मैसेज या वीडियो से टूट जाता है। इसका सीधा असर उसके दिमाग की सबसे महत्वपूर्ण क्षमता यानी ध्यान, निर्णय लेने की शक्ति और मानसिक ऊर्जा पर पड़ता है। इस समस्या का प्रभावी समाधान है ब्रेन मैनेजमेंट।

क्या होता है ब्रेन मैनेजमेंट: ब्रेन मैनेजमेंट का अर्थ है अपने दिमाग की कार्यप्रणाली, ध्यान, भावनाओं, ऊर्जा और सोचने की क्षमता को समझकर उन्हें वैज्ञानिक तरीके से नियंत्रित और बेहतर करना। हमारा दिमाग दिनभर हजारों विचार पैदा करता है, इनमें से कई विचार अनावश्यक, नकारात्मक या ध्यान भटकाने वाले होते हैं। ब्रेन मैनेजमेंट का उद्देश्य इन विचारों को नियंत्रित करना, ध्यान को सही दिशा में केंद्रित करना और मानसिक ऊर्जा को सही काम में लगाना होता है।

कैसे करें ब्रेन मैनेजमेंट: ब्रेन मैनेजमेंट मुख्यतः चार तत्वों पर आधारित होता है- ध्यान नियंत्रण, भावनाओं पर नियंत्रण, मानसिक ऊर्जा का प्रबंधन और विचारों की जागरूकता। वास्तव में आज के जमाने में हम सब चीजें न तो पढ़ सकते हैं, न देख सकते हैं, न सीख सकते हैं, इसलिए प्रथम चरण के अंतर्गत हमें किसी एक चीज पर ध्यान फोकस करना होता है और बाकी चीजों को नजरअंदाज करना होता है। दूसरे चरण में तनाव, गुस्सा, डर और चिंता को नियंत्रित करना होता है। ब्रेन मैनेजमेंट के तीसरे चरण के तहत हम अपने दिमाग की ऊर्जा को सही समय पर सही काम में लगाएं। अगर ये तीन चरण आसानी से कर लिए तो चौथा चरण अपने विचारों को पहचानना और उन्हें सकारात्मक दिशा देना होता है। वास्तव में ये चार मुख्य बातें ही ब्रेन मैनजमेंट का संपूर्ण सार होती हैं।

ब्रेन मैनेजमेंट क्यों है जरूरी: आज लगभग हर व्यक्ति हर दिन सैकड़ों नोटीफिकेशन, वीडियो और मैसेज से घिरा रहता है। इससे दिमाग लगातार अटेंशन स्विचिंग करता रहता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बार-बार ध्यान बदलने से दिमाग की गहराई से सोचने की क्षमता कमजोर होती है। ब्रेन मैनेजमेंट इस समस्या का समाधान देता है। यह सिखाता है कि कैसे ध्यान को स्थिर रखा जाए और दिमाग को अनावश्यक भटकने से बचाया जाए।

तनाव को भी करता है कम: वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) और विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य रिपोर्टों के अनुसार आज चिंता और तनाव सबसे बड़ी मानसिक व्याधियां बन गई हैं। करियर, आर्थिक दबाव, सामाजिक तुलना और अनिश्चित भविष्य के कारण दिमाग का लगातार तनाव की स्थिति में रहना, इस सबके कारण आधुनिक जीवन में तनाव और चिंता में जबरदस्त बढ़ोत्तरी हुई है। ऐसे में ब्रेन मैनेजमेंट तकनीकों जैसे मेडिटेशन, श्वास अभ्यास यानी ब्रीदिंग एक्सरसाइज और माइंड फुलनेस से नर्वस सिस्टम शांत होता है और इससे तनाव कम होता है।

बढ़ाइए दिमाग की क्षमता: न्यूरो साइंस के मुताबिक हमारा दिमाग न्यूरो प्लास्टिक होता है। इसका मतलब यह है कि दिमाग खुद को बदल सकता है और नई-नई क्षमताएं विकसित कर सकता है। इसलिए जब व्यक्ति नियमित रूप से ध्यान, पढ़ाई और फोकस आधारित कार्य करता है, तो दिमाग में न्यूरल कनेक्शन मजबूत होते हैं। इससे याद्दाश्त मजबूत होती है, निर्णय क्षमता बढ़ती है और समस्याओं के समाधान की हमारी क्षमता बढ़ जाती है। ब्रेन मैनेजमेंट इसी न्यूरो प्लास्टिसिटी का उपयोग करता है। *